卐 श्री सदगुरू देवाय नमः卐 卐ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी卐卐जय बाबा की卐卐श्याम बाबा卐卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवह्निं जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 26 ♦अंक 84 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦मंगलवार ♦30 दिसम्बर 2025 ♦मूल्य दो

बस खाई में गिरने से सात की मौत, बारह घायल

सल्ट भिकियासैंण क्षेत्र में हुआ दर्दनाक हादसा, द्वाराहाट से रामनगर जा रही थी बस, मुख्यमंत्री ने जताया शोक

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)। जिले के सल्ट भिकियासैंण क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसने पूरे क्षेत्र को शोक में डुबो दिया। भिकियासैंण-विनायक मार्ग पर द्वाराहाट से रामनगर की ओर जा रही यात्रियों से भरी एक बस अचानक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया और मौके पर भीड़ जमा हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस हादसे में सात यात्रियों की मौत हो गई, जबकि करीब बारह लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। घायलों का उपचार भिकियासैंण अस्पताल में चल रहा है, जबकि दो गंभीर रूप से घायल यात्रियों को हवाई मार्ग से एम्स ऋषिकेश भेजा गया है। बस में कुल उन्नीस यात्री सवार थे और हादसे के समय कई लोगों की स्थिति गंभीर बनी हुई थी। हादसे की गई बस रामनगर की कुमाऊं मोटर ऑनर्स यूनियन लिमिटेड की थी, जिसका पंजीकरण संख्या यूके 07 पीए 4025 है। यह बस सोमवार को सुबह ग्यारह बजे रामनगर से द्वाराहाट नोबाड़ा के लिए चली थी, वहीं मंगलवार सुबह साढ़े छह बजे यह वापस द्वाराहाट नोबाड़ा से

रामनगर के लिए रवाना हुई थी। डेढ़ घंटे बाद, लगभग आठ बजे, बस सैलापानी बैंड के पास गहरी खाई में गिर गई। चालक और परिचालक की स्थिति फिलहाल सुरक्षित बताई जा रही है। जिला प्रशासन ने मृतकों की पहचान करते हुए बताया कि मृतकों में चार पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। मृतकों में गोविंद बल्लभ, पुत्र कुलमणि मठपाल, उम्र 80 वर्ष, उनकी पत्नी पार्वती देवी, उम्र 75 वर्ष, रिटायर्ड सूबेदार नंदन सिंह, पुत्र भूपाल सिंह अधिकारी, उम्र 65 वर्ष, तारा देवी, पत्नी महेश चंद्र, उम्र 50 वर्ष, गणेश, पुत्र भीमबहादुर, उम्र 25 वर्ष, उमेश, पुत्र नामालूम, उम्र 25 वर्ष और एक मृतक की शिनाख्त अभी की जा रही है। वहीं घायलों में नंदा बल्लभ, राकेश कुमार, नंदा देवी, हंसी सती, मोहित सती, बुद्धिबल्लभ भगत, हरीश चंद्र, भूपेंद्र सिंह अधिकारी, जितेंद्र रेखाड़ी, नवीन चंद्र (बस चालक), हिमांशु पालीवाल और प्रकाश चंद्र शामिल हैं। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद आवश्यकतानुसार उच्च चिकित्सा केंद्रों में रेफर किया गया। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस, जिला प्रशासन, एसडीआरएफ और आपदा प्रबंधन की टीमें मौके पर पहुंच गईं। क्षेत्र दुर्गम पहाड़ी होने के कारण राहत और बचाव कार्य में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। प्रशासन ने घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया और गंभीर मामलों का बेहतर उपचार सुनिश्चित किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया और प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन घायलों को त्वरित और बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह सक्रिय है। इसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस हादसे पर शोक जताते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। यह हादसा अल्मोड़ा जिले के सल्ट तहसील क्षेत्र में पिछले 14 महीनों के भीतर दूसरा बड़ा बस हादसा है। नवंबर 2024 में भी सल्ट तहसील के मारचूला स्थित कूपी गांव के पास गढ़वाल मोटर ऑनर्स यूनियन लिमिटेड की एक बस दुर्घटनाग्रस्त हुई थी, जिसमें 36 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। उस हादसे ने इलाके में सुरक्षा के मुद्दों को फिर से चर्चा में ला दिया था और प्रशासन द्वारा सड़कों की स्थिति और बस संचालन की सुरक्षा मानकों की समीक्षा की जाने लगी थी। अल्मोड़ा जिले में यात्रियों से भरी बसों की सुरक्षा और पहाड़ी मार्गों की चुनौतीपूर्ण स्थितियों को देखते हुए यह हादसा एक बार फिर से यातायात और सड़क सुरक्षा के गंभीर मुद्दों को सामने लाया है। प्रशासन ने कहा है कि इस दर्दनाक हादसे की गहन जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

लाखों की नशीली दवाओं का जखीरा बरामद

फ्लाईओवर के पास छिपाए गए नशीले इंजेक्शन और कैप्सूल

काशीपुर(उद सवांददाता)। कोतवाली आईटीआई पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा के निर्देशों के तहत दिनांक काशीपुर पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी काशीपुर के मार्गदर्शन में प्रभारी कोतवाली आईटीआई कुंदन रौतेला के नेतृत्व में और वरिष्ठ औषधि निरीक्षक नीरज कुमार की संयुक्त टीम ने डडियाल फ्लाई ओवर के पास बाजपुर मार्ग पर एक गोपनीय सूचना के आधार पर छापेमारी की। जांच में पुलिस को राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे पुराल के नीचे प्लास्टिक की काली पन्नी के नीचे छिपाई गई 17 गत्ते की पेटियां मिलीं। इनमें से पाँच भूरे रंग की पेटियों में एनआरएक्स बुप्रेनोर्फिन

इंजेक्शन 0.3 मिलीग्राम/ मिलीलीटर, बी. आई. नॉर्फिन 2.0 मिलीलीटर के 12,250 इंजेक्शन बरामद हुए। इसके अतिरिक्त तीन पेटियों में स्पास्मो कैप्सूल 49,920, तीन पेटियों में स्पास्मोर कैप्सूल 64,560, तीन पेटियों में प्रॉक्सीओएचएम-एसपीएएस कैप्सूल 51,360 और तीन पेटियों में ओएचएमएएस अल्फा 0.5 गोलियाँ 1,74,000 बरामद की गईं। पुलिस ने अज्ञात अभियुक्तों के खिलाफ पंजीकृत किया। बरामद नशीले पदार्थों की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 40 लाख रुपये बताई जा रही है। मामले में पुलिस गहनता से जांच कर रही है और माल को न्यायालय में पेश किया जाएगा पुलिस टीम में शामिल प्रमुख अधिकारी इस प्रकार हैं: प्रभारी कोतवाली आईटीआई कुंदन रौतेला, वरिष्ठ औषधि निरीक्षक नीरज कुमार, (शेष पृष्ठ 7 पर)

100 प्रतिशत ई-ऑफिस व्यवस्था लागू करें विभाग: सीएस

देहरादून(उद सवांददाता)। मुख्य सचिव आनन्द वर्द्धन ने सचिवालय में सचिव समिति की बैठक के दौरान प्रदेशभर के सभी सरकारी प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में 8 मार्च, 2026 तक गर्ल्स टॉयलेट से सैचुरेशन सुनिश्चित करने, स्कूलों में शौचालयों की सफाई और देखभाल के लिए शीघ्र कार्ययोजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलाधिकारी भी

जुड़े रहे। मुख्य सचिव ने कहा कि अधिकतर स्कूलों में टॉयलेट तो हैं, लेकिन साफ-सफाई एवं रख-रखाव की कमी के कारण उनका उपयोग नहीं हो पा रहा है। उन्होंने शिक्षा विभाग को पूरे प्रदेश के सरकारी स्कूलों में टॉयलेट और उनकी सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही विद्यार्थियों के लिए 2-3 दिवसीय प्रदेश भ्रमण कार्यक्रम आयोजित करने पर भी जोर दिया गया, जिससे बच्चों को अपने राज्य और उसकी विशेषताओं को जानने का अवसर मिले। मुख्य सचिव ने प्रदेश के सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों को आवश्यक सुविधाओं से लैस करने के निर्देश दिए और वित्तीय वर्ष 2026-27 के सीएसआर फंड का पूर्ण उपयोग इसके लिए करने को कहा। उन्होंने विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से आंगनवाड़ी केन्द्रों को गोद लेने और नए केन्द्र स्कूलों के समीप स्थापित करने पर बल दिया, ताकि स्कूल और आंगनवाड़ी के बीच की दूरी कम हो और मूल उद्देश्य पूरे हों। खेल विभाग को वर्षभर उपलब्ध इन्फ्रास्ट्रक्चर का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए शीघ्र कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी शीघ्र शुरू करने और वर्ष 2036 में आयोजित ओलंपिक खेलों में उत्तराखण्ड के खिलाड़ियों की भागीदारी सुनिश्चित (शेष पृष्ठ 7 पर)

एलाइनमेंट बदलने से 'टनल पार्किंग' की राह में आया 'पहाड़'

इस साल भी पूरी नहीं हो सकी उत्तराखंड की बड़ी जरूरत, एक सौ बीस करोड़ आवंटित होने के बाद भी आरंभ नहीं हो सका टनल पार्किंग का काम

-अर्श-

देहरादून। उत्तराखंड में साल दर साल पर्यटकों की संख्या बढ़ती जा रही है। पर्यटकों की संख्या बढ़ने से पहाड़ों पर ट्रैफिक का दबाव तो बढ़ ही रहा है, साथ ही पार्किंग की समस्या भी खड़ी होती जा रही है। इन हालात में पर्यटकों के साथ-साथ स्थानीय लोगों की जाम की समस्या का सामना करना पड़ता है। पर्यटन सीजन में तो ये समस्या और भी विकराल हो जाती है। यहीं कारण है कि उत्तराखंड सरकार सरकार सड़क चौड़ीकरण के साथ-साथ ही पार्किंग स्थलों के निर्माण पर ज्यादा जोर दे रही है।दरअसल, उत्तराखंड में ऑल वेदर रोड, एक्सप्रेस वे और स्टेट हाईवे को अपग्रेड करने के साथ ही पीएमजीएसवाई नेटवर्क के जरिए रोड कनेक्टिविटी मजबूत हो रही है। रोड कनेक्टिविटी अच्छी होने से पर्यटक अब उत्तराखंड का रूख कर रहे है, लेकिन पहाड़ और प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों पर पर्यटक बढ़ने के साथ ही पार्किंग की समस्या भी बढ़ती जा रही है। इसी समस्या के निदान के लिए उत्तराखंड आवास एवं नगर विकास प्राधिकरण ने विभिन्न

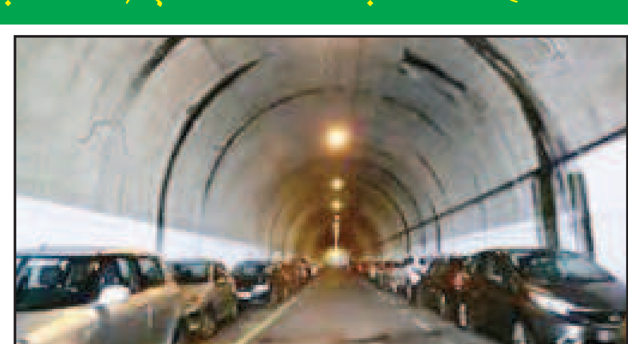

विकास प्राधिकरणों के जरिए प्रदेश के 182 स्थलों पर कुल 15,857 वाहन क्षमता की पार्किंग सुविधा विकसित करने की योजना बनाई थी ।इसके तहत टनल पार्किंग अर्थात पहाड़ के अंदर सुरंग तैयार कर पार्किंग सुविधा विकसित की जानी थी ,लेकिन एनएच का एलाइनमेंट बदलने से टनल पार्किंग निर्माण की राह में पहाड़ आ खड़ा हुआ। लिहाजा, उत्तराखंड में टनल पार्किंग का ड्रीम प्रोजेक्ट इस साल भी केवल सपना ही रह गया। राज्य में प्रस्तावित 12 टनल पार्किंग में से पहली टनल पार्किंग कैंप्टीफाल में टिहरी-कैंप्टीफाल मसूरी, मसीही मसूरी रोड के सामने बनाई जानी थी। इसके लिए डीपीआर बनने के बाद 120 करोड़ का बजट भी जारी हुआ, मगर एनएच का एलाइनमेंट बदलने के कारण निर्माण लटक गया और शासन ने निर्माण कंपनी एनएचआईडीसीएल को हटा दिया । तब से अब तक कोई भीतर नई कंपनी इस काम को नहीं संभाल सकी। उल्लेखनीय है कि 400 वाहनों की क्षमता वाली कैंप्टी टनल पार्किंग का काम शुरू होने को था कि इसके सामने से गुजर रही सड़क का एलाइनमेंट एनएच ने अचानक बदल दिया। इस कारण टनल के प्रवेश द्वार और सड़क के बीच पहाड़ आ गया। इस पहाड़ को बीच से (शेष पृष्ठ 7 पर)

बहुउद्देश्यीय शिविर में 120 से अधिक शिकायतें दर्ज, 47 का निस्तारण

काशीपुर (उद सवांददाता)। राज्य सरकार द्वारा संचालित जन जन की सरकार, जन जन के द्वार अभियान और किसान दिवस कृषक गोष्ठी कार्यक्रम के अंतर्गत विकास खंड काशीपुर की न्याय पंचायत खड़कपुर देवीपुरा के धनौरी प्रतापपुर इंटर कॉलेज में वृहद बहुउद्देश्यीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में न्याय पंचायत क्षेत्र की आठ ग्राम पंचायतों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों और आम नागरिकों ने प्रतिभाग कर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाया। शिविर का शुभारंभ सांसद अजय भट्ट, क्षेत्रीय विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, ब्लॉक प्रमुख चंद्रप्रभा, मेयर दीपक बाली और मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शासनी ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान जनसमस्याएं सुनी गई और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। शिविर में 25 सरकारी विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई और पात्र लाभार्थियों को

मौके पर लाभान्वित किया गया। मुख्य अतिथि सांसद अजय भट्ट ने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे आम नागरिकों तक पहुंचे और उनकी समस्याओं का त्वरित व प्रभावी समाधान हो। इसी उद्देश्य से गांव स्तर पर ऐसे शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, मेयर दीपक बाली और ब्लॉक प्रमुख चंद्रप्रभा ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में गांवों में बहुउद्देश्यीय शिविर आयोजित कर जनता को उनके गांव में ही सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे उन्हें कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। किसान गोष्ठी के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने किसानों को गन्ना, मक्का सहित अन्य फसलों की बुआई, रोग नियंत्रण, उन्नत बीज, आधुनिक कृषि उपकरणों और मृदा परीक्षण के महत्व की जानकारी दी। शिविर में कृषि, विद्युत, सिंचाई, पूर्ति, गन्ना, श्रम, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, उद्योग, पशुपालन, मत्स्य, डेयरी, कौशल विकास, ग्राम्य विकास और राजस्व सहित विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याएं सामने आईं, जिनका मौके पर समाधान किया गया। शिविर में बाल विकास विभाग द्वारा 18 गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की गई और आठ महालक्ष्मी किट वितरित की गईं। समाज कल्याण विभाग द्वारा एक दिव्यांग को ट्राइसाइकिल दी गई। पशुपालन विभाग की योजनाओं और सेवाओं की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में कुल 1422 लोगों ने सहभागिता की, जिनमें से 1241 लोगों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 251 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कुल 120 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 47 का निस्तारण मौके पर किया गया, जबकि शेष शिकायतें संबंधित विभागों को भेजी गईं। शिविर में स्वयं सहायता समूहों को नकद ऋण सीमा के अंतर्गत ऋण राशि के चेक वितरित किए गए। मुख्यमंत्री सहायता कोष से भी लाभार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। विभिन्न सेवाओं के अंतर्गत आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, निवास, जाति और आय प्रमाण पत्र, परिवार रजिस्टर की नकल, वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग प्रमाण पत्र और अन्य दस्तावेज जारी किए गए। महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाए गए स्टालों से हस्तनिर्मित सामग्री की बिक्री भी हुई। शिक्षा विभाग के माध्यम से छात्राओं को साइकिल, जूता-बैग और गणवेश वितरित किए गए। श्रम विभाग द्वारा कंबल और छाते वितरित किए गए तथा ई-श्रम कार्ड के आवेदन भरे गए। कार्यक्रम में दर्जा मंत्री सुरेश भट्ट, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, क्षेत्रीय ग्रामीणों और बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति रही।

डा. चंदोला को दिल्ली में मिली डॉक्टरेट की उपाधि

प्रतिष्ठित संस्था वर्ल्ड ह्यूमन राइट्स प्रोटेक्शन कमीशन की राष्ट्रीय स्तर पर सदस्यता भी मिली

रूद्रपुर। भारत गौरव रत्नश्री सम्मान अवार्ड काउंसिल की ओर से नई दिल्ली में आयोजित भव्य सेमिनार एवं सम्मान समारोह में उत्तराखण्ड आयुष परिषद के अध्यक्ष तथा चंदौला होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के प्रबंध निदेशक डॉ. किशोर चंदौला को उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए डॉक्टरेट इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन एंड बिजनेस मैनेजमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें आयुष, चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में किए गए निरंतर और प्रभावी योगदान के लिए प्रदान किया गया।सम्मान समारोह के दौरान डॉ. किशोर चंदौला को एक और बड़ी उपलब्धि हासिल हुई, जब उनके उत्कृष्ट सामाजिक और व्यावसायिक कार्यों को देखते हुए उन्हें वर्ल्ड ह्यूमन राइट्स प्रोटेक्शन कमीशन की राष्ट्रीय स्तर की सदस्यता भी प्रदान की गई। इस सम्मान ने न केवल उत्तराखण्ड बल्कि पूरे आयुष जगत में उनके कार्यों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई।कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों

में उत्कृष्ट योगदान देने वाली कई विशिष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उत्तराखण्ड आयुष परिषद के अध्यक्ष एवं चंदौला होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के एमडी डॉ. के.सी. चंदौला को आयुष और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया।इस भव्य आयोजन में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ ही राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र, मिस वर्ल्ड टूरिज्म इशिता नतेजा, भारतीय पहलवान नरसिंह पंचम यादव, तिमोर-लेस्ते लोकतांत्रिक गणराज्य के दूतावास के राजदूत कार्लिटो नून्स, तंजानिया उच्चायोग की उच्चायुक्त अनीसा कापुफी मबेगा, जिम्बाब्वे गणराज्य के दूतावास में मिशन के उप प्रमुख एवं चांसरी प्रमुख पीटर हॉबवानी, भारत में लिथुआनिया गणराज्य के दूतावास के उप प्रमुख लुकास किसिएलियस, वेनेजुएला के बोलिवेरियन गणराज्य के दूतावास की काउंसलर मारिया जोसे गोमेज अर्रियेटा, पापुआ न्यू गिनी उच्चायोग की द्वितीय सचिव मिशेल लाउ, ओडिशी नृत्य की प्रसिद्ध कलाकार, अभिनेत्री, कोरियोग्राफर एवं समाजसेवी डॉ. चंदना राउल, हैदराबाद स्थित निजाम फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष नवाब नजफ अली खान, महिला उद्यमी एवं समाजसेवी हंसिता अभिलिप्सा, बीजीआरएसएससी के अध्यक्ष डॉ. तपन कुमार राउतरी, प्रबंध निदेशक डॉ. सुनील कुमार तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती कविता बजाज सहित अनेक नामी-गिरामी हस्तियां मौजूद रहीं। सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. किशोर चंदौला ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए गर्व के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि आयुष, चिकित्सा शिक्षा और मानव सेवा के क्षेत्र में वे भविष्य में भी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करते रहेंगे तथा समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का उनका संकल्प निरंतर जारी रहेगा।

सांसद भट्ट को दिखाये काले झण्डे

जसपुर। अटल स्मृति सम्मेलन में शामिल होने जा रहे सांसद अजय भट्ट के काफिले को कांग्रेसियों ने सुभाष चौक के पास रूकवा दिया। इस दौरान उन्हें काला झण्डा दिखाते हुए जमकर विरोध किया। सांसद का विरोध होते देख पुलिस कर्मियों ने दौड़कर कांग्रेसियों को हटाया और सांसद का काफिला आगे की ओर रवाना किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने

बीजेपी की सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने की मांग उठाई। इस मौके पर सुखबीर भुल्लर, डॉ. शुभ, सुखदीप सहोता आदि रहे।

गन्ने के खेत से नवजात का शव बरामद

सितारगंज।खटीमा मार्ग से सटे तुरकातीसौर लिंक मार्ग में अल्प विकसित नवजात का भ्रूण बरामद हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सिडकुल चौकी इंचार्ज जगत सिंह शाही ने बताया कि मंगलवार को खटीमा मार्ग स्थित तुरकातीसौर गांव को जाने वाले मार्ग में नवजात का अल्प विकसित भ्रूण गन्ने के खेत में बरामद हुआ है। इसके बाद आसपास के लोग घटनास्थल पर एकत्र हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने भ्रूण को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया हैं। संभावना जताई जा रही है किसी कुंवारी मां ने लोकलाज के कारण अल्प विकसित भ्रूण को फेंक दिया।हालांकि पुलिस हर एंगल पर जांच कर रही है।

खोए मोबाईल वापस मिलने पर 206 लोगों को मिली खुशी

हल्द्वानी। एसएसपी डा. मंजूनाथ टीसी के दिशा निर्देश पर पुलिस द्वारा किए गए अथक प्रयासों से 206 लोगों को उनके खोए करीब 33 लाख रुपए कीमत के मोबाईल मिल गए। एसएसपी ने उन्हें उनके खोए मोबाईल सौंपे तो उनके चेहरे पर खुशी और आंखों से खुशी के आंसू टपक पड़े। सभी ने एसएसपी सहित समस्त अधिकारियों व सहयोगी पुलिसकर्मियों का आभार व्यक्त किया। एसएसपी ने बताया कि पुलिस को मोबाईल ऐप तथा सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से विभिन्न ब्रांड के मोबाईल फोन गुम होने की सूचना मिली। जिसका संज्ञान लेते हुए जनपद स्तर पर गठित मोबाइल एप्प सेल को मोबाईल फोन बरामद करने के सम्बन्ध में कड़े निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया मनोज कत्याल एसपी सिटी हल्द्वानी के मार्गदर्शन, मे अमित कुमार सैनी क्षेत्राधिकारी ऑप्स हल्द्वानी के

पर्यवेक्षण तथा निरीक्षक, प्रभारी मोबाइल एप्प (साईबर सैल) गणेश सिह मनोला के नेतृत्व में कांस्टेबल बलवन्त सिह, रामचन्द्र प्रजापति द्वारा शिकायतकर्ताओं के प्रार्थना पत्रों के आधार पर माह नवम्बर से दिसम्बर तक आईएमईआई नंबर सीआईईआर पोर्टल के माध्यम से प्रचलन मे होना पाया गया। टीम द्वारा कड़ी मेहनत कर उक्त मोबाईलों को विभिन्न राज्यों उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, जम्मू कश्मीर, मध्य प्रदेश, झारखण्ड, बिहार व पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड के विभिन्न जनपदों से कुल 206 मोबाइल फोन, मोबाईल ऐप टीम द्वारा बरामद किये गये। एसएसपी ने बताया कि बरामद किए गए विभिन्न ब्रांड के 206 मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत 33,46,200 रुपये हैं।

स्वच्छता अभियान के साथ एनएसएस शिविर शुरू

रुद्रपुर)। जनता इंटर कॉलेज रुद्रपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के विशेष शिविर का आयोजन 29 दिसंबर से 4 जनवरी तक किया जा रहा है। विशेष शिविर का शुभारंभ जनता प्राइमरी विद्यालय, आदर्श कॉलोनी में उत्साह और उमंग के साथ किया गया। शिविर के पहले दिन स्वयंसेवियों ने विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के अंतर्गत समाचार लेखन, अनुशासन और विभिन्न सदनों का गठन किया गया। कार्यक्रम अधिकारी पंकज कुमार ने बताया कि यह विशेष शिविर स्वयंसेवियों के मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से स्वच्छता अभियान, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, पॉलीथीन उन्मूलन,

भ्रूण हत्या रोकथाम, नशा उन्मूलन और पर्यावरण संरक्षण जैसे ज्वलंत सामाजिक विषयों पर जागरूकता फैलाने का कार्य किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वयंसेवियों को सभी क्षेत्रों में सक्षम बनाना है, ताकि वे भविष्य में समाज के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर सकें, देश की उन्नति में योगदान दे सकें और समाज में व्याप्त कुरीतियों को समझकर उन्हें दूर करने में सक्रिय भूमिका निभा सकें। स्वयंसेवियों का सर्वांगीण विकास ही राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य लक्ष्य है।विद्यालय के प्रधानाचार्य सतीश कुमार ने विशेष शिविर के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वयंसेवियों का स्वावलंबी होना अत्यंत आवश्यक है।शिविर में शिक्षक हेमचंद्र पंत, वीरेंद्र जोशी, अमित भारती सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवी उपस्थित रहे, जिनमें पल्लवी राठौर, रितिका राजपूत, तनु रोहेला, दीपांशी, सोनी, प्रियांशु कुमार तिवारी, प्रिंस कोरी, करन जीना और देव मौर्या शामिल रहे।

ग्राम उत्कर्ष अभियान व वन अधिकार अधिनियम पर प्रशिक्षण आयोजित

नानकमत्ता(उद सवांददाता)।नानकमत्ता में निदेशालय पंचायती राज, देहरादून के सहयोग से पेलैग फाउंडेशन अल्मोड़ा द्वारा ग्राम पंचायत भरौनी में धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं वन अधिकार अधिनियम 2006 विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पेलैग फाउंडेशन की मास्टर ट्रेनर तरन्नुम और देवेंद्र प्रसाद जोशी ने लगभग 400 प्रतिभागियों को अभियान और अधिनियम से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। प्रतिभागियों को अध्ययन सामग्री भी वितरित की गई। कार्यक्रम में विशेष रूप से जनजाति ग्रामीण महिलाओं को वन अधिकार अधिनियम के तहत उनके अधिकारों के बारे में जानकारी दी गई, ताकि वे अपने अधिकारों का सही उपयोग कर सकें। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान श सोमवती देवी और सुनीता राणा भी उपस्थित रहीं।

खेल महाकुंभ में बालक बालिकाओं ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

गदरपुर । मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी 2025 खेल महाकुंभ के तहत विधानसभा स्तरीय प्रतियोगिता गदरपुर का शुभारंभ सकैनिया स्टेडियम में किया गया पहले दिन बालिका वर्ग की खेल स्पर्द्धाएं संपन्न हुई , जिसमें 200 मीटर दौड़ में संजना व दीक्षा राणा, चक्का फेंक में वंशिका, भाला फेंक में प्रिया, ऊंची कूद में केसर और लंबी कूद में सुप्रिया सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कबड्डी बालिका वर्ग अंडर 19, प्रतियोगिता में गोविंदपुर न्याय पंचायत ने प्रथम, बड़ा खेड़ा ने द्वितीय और आनंद खेड़ा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंडर-19 बालिका खो-खो प्रतियोगिता में आनंद खेड़ा प्रथम और बड़ा खेड़ा द्वितीय स्थान पर रहे । अंडर 14 बालिका वर्ग में 60 मीटर दौड़ में ऋद्धिम सरकार, 600 मीटर में वैष्णवी भट्ट, लंबी कूद में कामना ,ऊंची कूद में अनीशा, गोला फेंक में काव्यांजलि प्रथम रहीं ।

मुख्यमंत्री से की आधार कार्ड केंद्र खोलने की मांग

रुद्रपुर। कांग्रेस जनों के एक शिष्टमंडल ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर उन्हें मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। जिसमें आधारकार्ड बनवाने, अपडेट कराने व अन्य परिवर्तनों मे आधारकार्ड सेन्टरों का संचालन हो रहा था। जिसमे आवेदक बैंको में जाकर अपने आधारकार्ड संबंधी कार्यों को आसानी से करा लेते थे, लेकिन अब अचानक बैंकों व सी.एस.सी. सेन्टरों पर आधार कार्ड संबंधी कार्यों को बन्द कर दिया गया है। पूछने पर बताया जाता है कि सरकार के निर्देश पर सेन्टरों को बन्द किया गया है। उन्होंने बताया अब केवल भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा व नगर निगम में ही आधारकार्ड सेन्टर चल रहा है, इसके अलावा कुछ अन्य जगह जैसे आदित्य नाथ झा इण्टर कालेज व गुरु अंगद देव काम्प्लेक्स में आधारकार्ड सेन्टर का संचालन हो रहा है। जहाँ पर आधारकार्ड आवेदकों को सुबह 4 बजे से ही लाईन लगानी पड़ती है और इन दोनो ही सेन्टरों पर एक-एक काम के लिए लोगों को एक हजार से चार हजार रुपए देने पड़ रहे है। जहां पर भारी धांधली हो रहीं है साथ ही कमीशनखोरी कर रहे है। जिससे लोग परेशान हो रहे है। शिष्टमंडल ने मांग की कि पूरे नगर निगम क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में कम से कम दो आधारकार्ड सेन्टर खोले जायें, आधार कार्ड सेन्टरों पर हो रहीं भारी धांधली की जांच कर इनके विरुद्ध कार्यवाही की जाये, सभी आधारकार्ड सेन्टरो किये जाने वाले कार्यों की सूची के साथ-साथ कार्य का मूल्य भी प्रदर्शित किया जाये, आधारकार्ड सेन्टरों के अधिकार बढाये जायें, जिसमे आधारकार्ड से सम्बन्धित सभी कार्य, जिसमे अपटेडेशन, जन्मतिथि, नाम, फोटो, निवास का पता आदि सभी परिवर्तन से सम्बन्धित कार्यों को करने की अनुमति दी जाये।

आरकार्ड सेन्टर न होने के कारण हो रहीं परेशानियों को देखते हुए हर वार्ड में दो आधार केंद्र खुलवाने की मांग की गई। शिष्टमंडल ने बताया कि पिछले कुछ माह से सरकार के निर्देश पर बैंकों व ग्राहक सेवा केंद्रों में सेन्टरी पर आधारकार्ड से होने वाले सभी कार्यों को बन्द कर दिया गया है, इससे पूर्व कई राष्ट्रीयकृत बैंको मे आधारकार्ड सेन्टरों का संचालन हो रहा था। ज्ञापन देने वालों में संजय जुनेजा, मोहन खेड़ा, रणजीत राणा, शुभम दास, चेतन भट्ट, फरमान सिद्दीकी, मोनिका ढाली, मोहन कुमार, अक्षत पाल, परवेज कुरैशी तरुण नेगी, राजू कोली, सुरेंद्र सिंह आदि थे।

लापता सगी बहनों का 72 घंटे बाद भी नहीं लग सका सुराग

काशीपुर। टांडा उज्जैन पुलिस चौकी क्षेत्र से बेहद संदिग्ध परिस्थितियों में लापता सगी बहनों का 72 घंटे बाद भी कोई पता नहीं चल सका है। अनहोनी की आशंका को लेकर गायब किशोरियों के माता-पिता का रो-रो कर बुरा हाल है। उन्होंने बनबसा कॉलोनी शुगर मिल निवासी एक युवक पर बेटियों को अगवा करने का आरोप लगाया। इसी के बाद से क्षेत्र में सनसनी का माहौल है। पुलिस ने पूछताछ के लिए आरोपी को चौकी बुलाकर उसे छोड़ दिया। घटना के बारे में पुलिस को तहरीर देकर दढियाल रोड बस स्टैंड के समीप काशीपुर निवासी दिनेश वर्मा पुत्र रामगोपाल वर्मा ने बताया कि बीते 27 दिसंबर की सुबह लगभग 8:00 बजे जब उसकी पत्नी पूनम रोजाना की भांति काम पर चली गई इसी दौरान उसकी दोनों किशोर उम्र लड़कियां पलक 17 वर्ष व डिम्पल 15 वर्ष बेहद संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता हो गई जिनका घटना के 72 घंटे बाद भी पुलिस कोई सुराग नहीं लगा सकी है। यहां बता दें कि पीड़ित परिवार आरोपी की घटिया हरकतों से पिछले काफी समय से त्रस्त है। वर्ष 2024 की 30 अक्टूबर को गायब किशोरी डिंपल वर्मा ने भी टांडा उज्जैन चौकी पुलिस को शिकायती पत्र देकर आरोपी पंकज यादव पर मारपीट गाली गलौज व सरेराह छेड़खानी समेत तमाम गंभीर आरोप लगाए थे। गुमशुदा के पिता ने इस मामले की एक तहरीर 26 दिसंबर को क्षेत्राधिकारी पुलिस को दी। तहरीर में बताया कि 20 दिसंबर की शाम लगभग 6:30 बजे उसकी 15 वर्षीय पुत्री डिंपल बाजार से घर वापस लौट रही थी इसी दौरान टांडा उज्जैन रेलवे क्रॉसिंग के समीप बनवास कॉलोनी शुगर मिल निवासी पंकज यादव पुत्र हरे राम यादव अज्ञात मोटरसाइकिल चालक के साथ वहां पहुंचा और उसकी पुत्री का रास्ता रोक कर सरे राह उसके साथ छेड़खानी शुरू कर दी। आरोपी युवकों ने घटना को अंजाम देते हुए किशोरी को अगवा करने का भी प्रयास किया। और शोर-शराबा होने पर आरोपी वहां से भाग निकले। शिकायतकर्ता ने सीओ को बताया कि टांडा उज्जैन पुलिस चौकी में उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई।

उधार ना देने पर गाली गलौज और जान से मारने की धमकी

काशीपुर। चीमा चौराहे पर पान की दुकान चलाने वाले युवक ने एक व्यक्ति पर उधार देने से मना करने पर उसके साथ मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। घटना एक साल से ज्यादा समय की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।जसपुर खुर्द, काशीपुर निवासी राजीव कुमार पुत्र सीताराम ने कटोराताल पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी चीमा चौराहा, काशीपुर में पान की दुकान है। दिनांक 10.11.2024 की शाम 8.30 बजे लगभग की है, वह अपनी दुकान पर बैठा था तभी एक व्यक्ति आया और उससे उधार सामान मांगने लगा, जब उसने उधार सामान देने से मना किया तो उसने उसके साथ मारपीट की और मां बहन की गन्दी-गन्दी गालियां दीं। राजीव ने बताया कि शोर सुन कर जब आसपास के लोग आने लगे तो वह व्यक्ति उसे जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गया। अब उसे पता चला है कि उसका नाम रवि पपनै पुत्र नामालूम है। उसने उक्त के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने रवि पपनै के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 351(2), 352 के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच एसआई कौशल सिंह भाकुनी के सुपुर्द की है।

जन संवाद में क्षेत्रवासियों ने बेहड़ के समक्ष रखीं समस्याएं

किच्छा (उद सवांददाता)। विधायक तिलक राज बेहड़ ने सर्दी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए किच्छा उपजिलाधिकारी को पत्र लिखकर नगर पालिका क्षेत्र में प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की समुचित व्यवस्था कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में क्षेत्र में अत्यधिक ठंड पड़ रही है, जिससे गरीब, असहाय, वृद्धजन, श्रमिक वर्ग और खुले स्थानों पर रहने वाले नागरिकों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।पत्र में विधायक ने कहा कि चौराहों, बाजारों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, अस्पतालों के आसपास और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की

तत्काल व्यवस्था जरूरी है, ताकि आम जनमानस को ठंड से राहत मिल सके और किसी भी प्रकार की जनहानि की स्थिति उत्पन्न न हो।इसी क्रम में विधायक तिलक राज बेहड़ ने जन संवाद कार्यक्रम आयोजित कर क्षेत्र के विभिन्न गांवों एवं वार्डों से आए नागरिकों की समस्याएं गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे और उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, विद्युत आपूर्ति, पेयजल, सिंचाई विभाग, सड़क, नाली, जल निकासी और नगर पालिका से संबंधित समस्याएं उठाईं। इस अवसर पर हेमंत सिंह, निवासी शांतिपुरी-02 ने अपनी उपजाऊ भूमि के कटाव की गंभीर समस्या भी विधायक के समक्ष रखी।विधायक बेहड़ ने सभी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता की समस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी अधिकारी समयबद्ध एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।विधायक ने कहा कि जन संवाद कार्यक्रम जनता और जनप्रतिनिधि के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करता है, जिससे शासन-प्रशासन की वास्तविक स्थिति सामने आती है। उन्होंने क्षेत्रवासियों को आश्वस्त किया कि प्रत्येक जायज समस्या का समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और आवश्यकता पड़ने पर वे स्वयं संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर कार्यों को पूर्ण कराएंगे।

ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से बाइक सवार पिता पुत्र की मौत

किच्छा। नगर के हल्द्वानी मार्ग पर ट्रैक्टर ट्राली एवं बाइक के बीच हुई भिड़ंत में बाइक चालक एवं उसके सात वर्षीय पुत्र की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर जाम लग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को इलाज के लिए गंभीर अवस्था में नगर के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने पिता पुत्र को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर मृतक के परिजन भी सरकारी अस्पताल पहुंच गए। इस दौरान पिता पुत्र की मौत के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल नजर आया। फिलहाल पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार हल्द्वानी मार्ग

स्थित ग्राम रजपुरा गडरिया बाग, किच्छा निवासी विजय कुमार पुत्र हरिप्रसाद अपने 7 वर्षीय पुत्र सिंधु के साथ बाइक लेकर किसी काम से गोकुल नगर की तरफ गए थे। बताया जा रहा है कि गोकुल नगर क्षेत्र में हाईवे पर विजय की बाइक हल्द्वानी की तरफ से किच्छा की ओर आ रही तेज रफ्तार अज्ञात ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आ गई। घटना में 30 वर्षीय विजय कुमार एवं 7 वर्षीय सिंधु गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर जाम लग गया और तमाम ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। सूचना पर उप निरीक्षक मनोज कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए और दोनों घायलों को गंभीर अवस्था में इलाज के लिए नगर के सरकारी अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने जांच के उपरांत दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पूरे क्षेत्र में आज की तरह फैल गई और तमाम ग्रामीणों की भीड़ सरकारी अस्पताल में जमा हो गई। पिता पुत्र की मौत के बाद मृतक के परिवारजनों का रो-रो कर बुरा हाल नजर आया। फिलहाल पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए जांच शुरू कर दी है। इस दौरान पुलिस ने परिजनों को ट्रैक्टर चालक की पहचान कर उसके खिलाफ जल्द कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

उत्तराखंड कप पेंचक सिलाट में देहरादून चैंपियन

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। जवाहर नवोदय विद्यालय, में द्वितीय उत्तराखंड कप पेंचक सिलाट चैंपियनशिप का समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल, युवा आइकन बॉडीबिल्डर दीपक मुंजाल, केपीएस विरो टैक के निदेशक प्रेम नारायण मिश्रा, युवा भाजपा नेता अक्षय फुटेला, कुमाऊं विश्वविद्यालय के पूर्व खेल अधिकारी डॉ. नागेंद्र शर्मा, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष गौतम पपनेजा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। समापन अवसर पर राजकुमार ठुकराल ने कहा कि पेंचक सिलाट हमारे युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण खेल है। उन्होंने विशेष रूप से लड़कियों के लिए इस खेल को आत्मरक्षा का साधन बताते हुए सभी को इसे सीखने की प्रेरणा दी। उन्होंने आयोजन समिति को खिलाड़ियों

को अपना कौशल प्रदर्शित करने का अवसर देने के लिए बधाई दी। प्रतियोगिता में सर्वाधिक पदक अर्जित करने वाले देहरादून जनपद को ओवरऑल चैंपियन ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। ऊधम सिंह नगर जनपद दूसरे और नैनीताल जनपद तीसरे स्थान पर रहा। समापन अवसर पर सभी खिलाड़ियों को विशिष्ट अतिथियों द्वारा आशीर्वाद और पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में राहुल, रितिक कुमार, अंकित सिंह, शरिका पटेल, राकेश कुमार, विनय, तनुजा बंगला, सुनीता भाट, चेतन, रणवीर सिंह, मोहम्मद सरजील, बृजेश राजपूत शंकर सहित कई खिलाड़ी, कोच और एसोसिएशन सदस्य उपस्थित रहे।

विधायक ने मृतक क परिजनों को बंधाया ढांढस

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। गत रात्रि गाबा चौक के पास डंपर की चपेट में आने से रम्पुरा निवासी 22 वर्षीय बब्लू कोली पुत्र हेमराज कोली की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मृत्यु हो गई। इस दुखद घटना के बाद विधायक शिव अरोरा आज पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर मृतक के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें ढाढ़स बंधाया। विधायक ने परिजनों को हिम्मत रखने का हौसला दिया और इस कठिन समय में उनके साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। विधायक ने मौके पर शव का तत्काल पोस्टमार्टम कराने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही सड़क दुर्घटना में हुई मृत्यु के मद्देनजर एआरटीओ और पुलिस अधिकारियों से बातचीत कर मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए। मृतक बब्लू परिवार में इकलौता कमाने वाला सदस्य था, जिससे परिजनों की आर्थिक स्थिति पर संकट उत्पन्न हो

गया था। विधायक ने इस परिस्थिति में परिवार को मुख्यमंत्री राहत कोष से आर्थिक सहायता दिलाने का भी आश्वासन दिया। विधायक शिव अरोरा ने कहा कि बब्लू एक होनहार युवा था और उसका जाना बहुत दुखद है। इसकी भरपाई संभव नहीं है, लेकिन परिवार पर आर्थिक संकट जैसी स्थिति पैदा न हो इसके लिए हर संभव मदद की जाएगी। उन्होंने मृतक के भाई को अपनी ओर से और समाजसेवीयों द्वारा आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई, जिससे संस्कार और अन्य आवश्यक गतिविधियां संचालित की जा सकें। इस अवसर पर पार्षद गिरीश पाल, समाजसेवी सुशील गाबा, डॉ महेश कोली, राज कोली, चंद्रसेन चंदा, चंद्रपाल कोली, डंपी कोली, रामवचन, शिवकरण, सुदामा कोली, हरदेव, सुखलाल, मुकेश कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अटल जी का जीवन भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत: पासी

अटल स्मृति सम्मेलन में अटल बिहारी वाजपेयी के विचारों को किया गया स्मरण

रुद्रपुर (उद सवांददाता)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी के अवसर पर देशभर में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत रुद्रपुर के सिटी क्लब में अटल स्मृति सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में बुद्धिजीवी वर्ग, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता और पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत वंदेमातरम गीत के साथ की गई। इसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी के साथ संघर्ष के दौर में कार्य करने वाले वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। सम्मानित किए गए वरिष्ठ कार्यकर्ताओं में यशपाल घई, कस्तूरी लाल तागरा, वेद ठुकराल, मीना शर्मा, शाहखान राजशाही और बलराज पासी शामिल रहे। सम्मेलन के संयोजक एवं विधायक शिव अरोरा ने स्वागत भाषण में कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी असंख्य कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणापुंज रहे हैं। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी का जीवन आदर्श मूल्यों का उदाहरण है, जिनकी प्रासंगिकता आज भी स्पष्ट दिखाई देती है। उन्होंने याद दिलाया कि जब संख्या बल के अभाव में उन्हें प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा, तब भी उन्होंने अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। विधायक ने कहा कि युवा पीढ़ी को अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन और संघर्ष को जानने की आवश्यकता है, क्योंकि दो सांसदों वाली पार्टी उनके संघर्ष और विचारों के बल पर आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर देश सेवा कर रही है। मुख्य वक्ता पूर्व सांसद और उत्तराखंड सरकार में पूर्व राज्यमंत्री बलराज पासी ने कहा कि यदि भारतीय जनता पार्टी को समझना है तो अटल बिहारी वाजपेयी के संघर्ष को जानना होगा। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी भाजपा के संस्थापक सदस्यों में रहे और उन्होंने अपने खून-पसीने से पार्टी को विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत बनाया। उनके विचार, व्यक्तित्व और कविताएं आज भी लोगों के दिलों को छूती हैं। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी सर्वस्वीकार्य नेता थे, जिनका सम्मान पक्ष और विपक्ष दोनों करते थे। बलराज पासी ने कहा कि सर्वशिक्षा अभियान, प्रधानमंत्री सड़क योजना और पोखरण जैसे ऐतिहासिक निर्णयों के लिए अटल बिहारी वाजपेयी को देश ही नहीं, बल्कि पूरा विश्व याद करता है। उन्होंने जीवनभर राष्ट्र को सर्वोपरि रखा और अपना संपूर्ण जीवन देश को समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उसी विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए देश के विकास को नई दिशा दे रहे हैं। पासी ने कहा कि करोड़ों कार्यकर्ताओं के लंबे संघर्ष के बाद भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है, जिसके पीछे त्याग और तपस्या की गाथा छिपी है। सम्मेलन में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य खूब सिंह विकल ने भी अपने विचार रखते हुए कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी का जीवन सादगी, शालीनता और संघर्ष का प्रतीक रहा। उन्होंने कहा कि पक्ष हो या विपक्ष, अटल बिहारी वाजपेयी सभी के प्रति विनम्र रहते थे और उनके आदर्शों से सीख लेने की आज भी आवश्यकता है। कार्यक्रम का समापन मंडल अध्यक्ष सुनील ठुकराल ने किया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें यशपाल घई, कस्तूरी लाल तागरा, उत्तम दत्ता, वेद ठुकराल, तरुण दत्ता, हिमांशु शुक्ला, नरेश ग्रोवर, धीरेन्द्र मिश्रा, मीना शर्मा, शालनी बोरा, मुकेश पाल, जगदीश विश्वास, राजेश बजाज, महेंद्र आर्य, मोर सिंह, राधेश शर्मा, दिवाकर पांडेय, उपेंद्र गुप्ता, कमल पाल, चंद्रसेन चंदा, भीम सेन, सुषमा अग्रवाल, राजेश डाबर, पंकज बांगा, प्रमोद अग्रवाल, वीनू कुमार, जितेंद्र संधू, अरुण चुघ, मनीष गगनेजा, पवन राणा, अमन पाल, राजकुमार कोली, किरण विर्क, मयंक कक्कड़, गिरीश पाल, अरुण दीक्षित, महावीर कश्यप, राजेश तिवारी, मनीष गोस्वामी, बिट्टू चौहान, केके त्रिपाठी, सुधा शर्मा, सतनाम सिंह, गोविंद राय और रचित सिंह सहित अनेक लोग शामिल रहे।

घर का सहयोगी बनकर चोरी करने वाले दो शातिर गिरफ्तार

दो अलग-अलग चोरी की घटनाओं का अनावरण, 8 लाख की ज्वेलरी और नकदी बरामद

रूद्रपुर/नानकमत्ता।ऊधमसिंहनगर पुलिस ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा के निर्देश पर नानकमत्ता क्षेत्र में दो अलग-अलग चोरी की घटनाओं का सफल अनावरण करते हुए दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त घर में सहयोगी बनकर विश्वास जीतने के बाद चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। जनवरी 2025 में ग्राम बिडोरा मझोला निवासी सरस्वती देवी के घर ज्वेलरी व नकदी चोरी हुई थी। इसी प्रकार नवंबर 2025 में ग्राम पक्की खमरिया निवासी बलदेव सिंह के घर से भी ज्वेलरी और नकदी चोरी की घटना हुई। दोनों मामलों में थाना नानकमत्ता पर संबंधित प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उच्च अधिकारियों के निर्देश पर गठित विशेष पुलिस टीम ने सीसीटीवी, सर्विलांस और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दिनांक 28.12.2025 को चोरी की गई ज्वेलरी और नकदी बरामद कर दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में अभियुक्तों ने चोरी की योजना और अपने तरीके स्वीकार किए।गिरफ्तार अभियुक्तों में रणजीत सिंह उर्फ काके, 26 वर्ष, निवासी ग्राम सुंदरपुर और गुरमीत सिंह उर्फ मित, 40 वर्ष, हरियाणा के असंध के निवासी शामिल हैं। बरामदगी में पीली धातु की चेन, अंगूठी, कान के टॉप्स, मंगलसूत्र तथा नगदी शामिल हैं, जिनकी कीमत लगभग 08 लाख आंकी गई है। दोनों अभियुक्तों को 29.12.2025 को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस ने मामले में आगे की जांच जारी रखी है।गिरफ्तारी में शामिल टीम में नानकमत्ता पुलिस के चौकी प्रभारी राजेंद्र पंत, गिरीश चंद्र, नीरज नेगी तथा तकनीकी सहयोगी एसओजी कांस्टेबल भूपेंद्र आर्य और वीरेंद्र सिंह शामिल रहे।

खनन सुधारों के लिए उत्तराखंड को मिली 200 करोड़ की विशेष सहायता

देहरादून ।केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय ने उत्तराखंड को बड़ी आर्थिक राहत देते हुए खनन क्षेत्र में सुधार के लिए 200 करोड़ रुपये की विशेष सहायता स्वीकृत की है। यह सहायता वित्तीय वर्ष 2025ख्र26 के लिए पूंजी निवेश हेतु राज्यों को विशेष सहायता योजना के अंतर्गत ऋण के रूप में प्रदान की गई है।सरकारी सूत्रों के अनुसार यह राशि राज्य में लघु खनिज सुधारों और राज्य खनन तत्परता सूचकांक से जुड़े सुधार कार्यों को पूरा करने के लिए दी गई है। यह सहायता भारत सरकार द्वारा निधारित दिशा-निर्देशों, उत्तराखंड सरकार के प्रस्ताव और खान मंत्रालय की संस्तुति के आधार पर जारी की गई है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस सहायता के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस सहयोग से उत्तराखंड के खनन क्षेत्र में पारदर्शिता बढ़ेगी, तकनीकी सुधारों को गति मिलेगी और सतत विकास को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार इस राशि का उपयोग खनन व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील और रोजगारोन्मुखी बनाने में करेगी, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और स्थानीय युवाओं के लिए नए अवसर सृजित होंगे।

यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने निकाला मशाल जुलूस

हल्द्वानी(उद सवांददाता)। अंकिता भंडारी हत्याकांड के दोषियों के खिलाफ यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। बुधपार्क तिकोनिया से शुरू होकर एसडीएम कोर्ट तक मशाल जुलूस निकालते हुए कार्यकर्ताओं ने दोषियों को कड़ी सजा और वीआईपी की गिरफ्तारी की मांग की।यूथ कांग्रेस के नेता हेमन्त साहू और विशाल भोजक ने कहा कि जब तक अंकिता को न्याय नहीं मिलता, उनका संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री पर भी नैतिक जिम्मेदारी की बात उठाते हुए कहा कि ऐसे प्रकरण में सत्ता में बने रहना उचित नहीं है। युवा नेत्री दीपा खत्री और अक्षत पाठक ने कहा कि अंकिता प्रकरण की सीबीआई जांच तब तक पूरी नहीं होगी, जब तक सभी दोषी फांसी के फंदे तक नहीं पहुंचते, वे शांत नहीं बैठेंगे। उन्होंने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने दोषियों को फांसी की सजा देने, वीआईपी की गिरफ्तारी, सीबीआई जांच और हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के पजजपदह जज की निगरानी में जांच कराने की प्रमुख मांगें रखीं।प्रदर्शन में सौरभ कुमार, रक्षित बिष्ट, अमन अंसारी, बिलाल अहमद, भावेश कुरिया, खगेन्द्र मेहरा, नंदनी खत्री, शाहनवाज मालिक, मयंक गोस्वामी, शानू अल्वी, आयुष नागर, मोहम्मद शरिक, शोभित कुमार, गुरमीत गौतम, साहिल राज, उमंग पाठक, मेहुल साह, दीपक बिष्ट, मेहुल जोशी, पवन बिष्ट, हर्ष शर्मा, सुशील राय, गौरव सुपयाल, राहुल रावत, दीपू पांडे सहित बड़ी संख्या में युवा शामिल थे।

डम्पर से कुचलकर युवक की मौत के बाद बवाल

रूद्रपुर। सोमवार की रात्रि काशीपुर मार्ग पर तेज गति से जाते डम्पर से कुचलकर बाईक सवार युवक की मौत हो गई। जानकारी मिलने पर मृतक के करीबी लोग वहां आ पहुंचे और उन्होंने डम्पर पर पथराव शुरू कर दिया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने हंगामा कर रहे लोगों पर लाठियां भांजकर उन्हें दूर तक खदेड़ दिया और शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। जानकारी के अनुसार रम्पुरा निवासी बबलू गल्ला मंडी में काम कर सोमवार की रात्रि बाईक पर सवार होकर घर लौट रहा था। काशीपुर मार्ग पर पहुंचते ही तेज गति से आते डम्पर ने टक्कर मार कर उसे रौंद दिया। जिससे बबलू की मौत हो गई। घटना के बाद वहां से भागते डम्पर का लोगों ने पीछा कर रोक लिया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिसकर्मी वहां आ गये। इसी दौरान मृतक के करीबी लोग भी आ पहुचे और उन्होंने रोषित होकर डम्पर पर पथराव शुरू कर दिया। जिस पर पुलिस ने लाठियां भांजकर लोगों को दूर तक खदेड़ दिया। घटना से मुख्य मार्ग पर जाम लग गया। जिसे पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद खोला। पुलिस ने शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। इस दौरान पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने मौके पर पहुंचकर लोगों को शांत किया। वहीं समाज सेवी सुशील गावा ने भी पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर घटना की जानकारी ली और परिजनों को ढांढस बंधाया।

SAHAS Homeo
साहस होम्यो मेडिकल स्टोर एवं क्लीनिक
जर्मन तथा सभी प्रकार के होम्योपैथिक व बायोकैमिक दवाईयों के विक्रेता

डॉ. यश पाण्डेय
होम्योपैथिक फिजिशियन
बी.एच.एम.एस., जयपुर
चर्म रोग | गुर्दा रोग | पेट रोग
गुदा रोग | लिवर सम्बन्धि रोग
अन्य रोग • स्पान्डीलाईटिस • श्वास रोग • मोटापा • दमा • प्रोस्टेट • माइग्रेन • टान्सिल • एलर्जी • ब्रोनकाइटिस
बच्चों के रोग • पेट का दर्द • अपच • कान में संक्रमण / दर्द • खांसी • जुकाम • निमोनिया • बुखार • दांत निकलना
साहस होम्यो क्लीनिक
निकट गुरुद्वारा, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी
मो. 9456727473, 9410514531

महिलाओं ने की अंकिता हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। अंकिता भंडारी हत्याकांड मामले की सीबीआई जांच करने और दोषी वीआईपी का नाम सार्वजनिक कर उसे सख्त सजा देने की मांग को लेकर भारी संख्या में महिलाओं ने कांग्रेसजनों के साथ मिलकर नगर के मुख्य बाजार में नारेबाजी के साथ जोरदार प्रदर्शन किया। इस मौके पर सामाजिक कार्यकत्री बुलबुल राय ने कहा कि अंकिता भंडारी हत्याकांड ने न सिर्फ देवभूमि उत्तराखंड वरन देश को भी झकझोर दिया। परन्तु इस घटना के दोषियों को सजा दिलाने के बजाय राज्य सरकार आज तक उन्हें बचाने की हर संभव हमेशा कोशिश करती रही है। जो बेहद शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ का नारा देने वाली भाजपा की सरकार में मातृशक्ति लगातार खुद को असुरक्षित महसूस कर रही है। बुलबुल राय ने कहा कि अब वक्त आ गया है राज्य की सभी जागरूक महिलाओं को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर मातृशक्ति के सम्मान की रक्षा और स्व. अंकिता भंडारी सहित दरिंदों की शिकार हुई अन्य मातृशक्ति की आत्माओं को न्याय दिलाने के लिए एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। प्रदर्शन करने वालों में गायित्री, सुमन देवी, गोपाल कृष्ण, कल्याण सिह, सुब्रत राय, अनुपमा सिंह, शान्ति सामन्त, प्रतीक्षा, प्राची, मधु, पूजा, अम्बिका, तुषा, सीमा निषाद, सरिता, अमृता, प्रीति, क्रान्ति, हेमा, प्रभा, ज्योति, अंशिका, अर्चना, सोनी, अंजली,अनीषा, सुमंगला, अनीता, दीप्ती, संजु, निशा, अरुणा, नीतू, विनायका, सीमा, मनदीप, आरती व शशि सहित परिमल राय, संजय जुनेजा, सतीश कुमार आदि भारी संख्या में महिलाएं व अन्य कांग्रेसजन शामिल थे।

लाव लश्कर के साथ महापौर ने किया निरीक्षण

लैफ्ट कट दुरूस्त करने के लिए तेज हु कवायद,अतिक्रमणकारियों को दी चेतावनी, गंदगी मिलने पर कई दुकानदारों को फटकार

रूद्रपुर। शहर को जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए महापौर विकास शर्मा ने सोमवार को प्रशासनिक अमले के साथ एक बार फिर सड़क पर उतरकर मोर्चा संभाल लिया। एडीएम पंकज उपाध्याय, नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडे, सीओ प्रशांत कुमार सहित लोक निर्माण विभाग, पुलिस एवं यातायात पुलिस के अधिकारियों के साथ महापौर ने डीडी चौक से इंदिरा चौक तक चल रहे हाईवे चौड़ीकरण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के स्पष्ट निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान इंदिरा चौक पर बंद पड़े लेफ्ट कटों को लेकर विशेष रूप से स्थिति का जायजा लिया गया। लेफ्ट कट खोलने में बाधक बन रहे दुकानदारों को महापौर ने अंतिम चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो नगर निगम द्वारा कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निगम की टीम को निर्देश दिए कि अतिक्रमणकारियों को तत्काल नोटिस जारी किए जाएं और नोटिस के बाद भी यदि निर्माण नहीं हटाया गया तो बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण ध्वस्त किया जाएगा। महापौर के निरीक्षण के दौरान सड़क पर गंदगी फैलाने वाले कई दुकानदारों पर भी उनकी सख्ती देखने को मिली। महापौर ने ऐसे दुकानदारों को कड़ी फटकार लगाते हुए भविष्य में नियमों का उल्लंघन होने पर चालान की कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि शहर की सड़कों को स्वच्छ और व्यवस्थित रखना केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि व्यापारियों और आम नागरिकों की भी जिम्मेदारी है। इस मौके पर महापौर विकास शर्मा ने कहा कि शहरवासियों को जाम से हो रही परेशानी को देखते हुए लगातार और सुनियोजित प्रयास किए जा रहे हैं। यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए प्रशासन के साथ मिलकर एक व्यापक रणनीति तैयार की गई है, जिस पर चरणबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शहर को सुंदर, सुव्यवस्थित और जाम-मुक्त बनाना उनका संकल्प है और जहां-जहां अतिक्रमण के कारण यातायात बाधित हो रहा है, वहां बिना किसी दबाव के सख्ती से अतिक्रमण हटाया जाएगा। महापौर ने बताया कि खेड़ा मुख्य मार्ग से भी शीघ्र नगर निगम द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। वहीं काशीपुर बाईपास मार्ग के चौड़ीकरण में अभी कुछ समय लग सकता है, लेकिन उससे पहले वहां से अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी, ताकि लोगों को जाम से राहत मिल सके। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि काशीपुर बाईपास रोड पर इंदिरा कॉलोनी मोड़ का कट फिलहाल बंद किया जाएगा, जिससे अनावश्यक ट्रैफिक दबाव को कम किया जा सके। हाईवे चौड़ीकरण कार्य को लेकर महापौर ने कहा कि बिजली के पोल हटाने में हो रही देरी और वन विभाग से कुछ पेड़ों को काटने की अनुमति न मिलने के कारण कार्य प्रभावित था, लेकिन अब सभी आवश्यक अनुमतियां प्राप्त हो चुकी हैं। इसके चलते हाईवे चौड़ीकरण का कार्य अब युद्ध स्तर पर किया जा रहा है और शीघ्र ही हाईवे पर लगने वाला जाम समाप्त होगा। इसके बाद डीडी चौक से पीएसी गेट तक लगने वाले जाम से निपटने के लिए भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। महापौर विकास शर्मा ने कहा कि शहरवासियों ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसके निर्वहन में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी और रूद्रपुर को एक आधुनिक, सुव्यवस्थित और जाम-मुक्त शहर बनाना ही नगर निगम और प्रशासन का साझा लक्ष्य है।

ऐतिहासिक रहा रुद्रपुर में लाईट एंड साउंड शो

भारी ठंड के बावजूद श्री गुरु तेग बहादुर जी से संबंधित यादगार कार्यक्रम को देखने उमड़े श्रद्धालु

रुद्रपुर(उद संवाददाता)।जेसीज पब्लिक स्कूल गंगापुर रोड के ऑडिटोरियम में गुरुद्वारा श्री गुरु सिंघ सभा व स्थानीय सिख युवाओं के सहयोग से नाटक मंचन ष्धर्म की चादरष श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के जीवन सार और अनोखी शहादत पर आधारित तालगुरु प्रोडक्शंस चंडीगढ़ द्वारा प्रदर्शित किया गया जिसे देख सबकी आँखें नम हो गईं। हाल ही में दिल्ली के लालकिले पर भी और देश भर के कई प्रांतों में इस नाटक को दर्शाया जा चुका है।स्थानीय सिख युवाओं ने गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सहयोग से बहुत ही कम समय इस कार्यक्रम की तैयारी की थी जो काफी सफल व एक अनोखी छाप छोड़ गया हर देखने आए हर किसी के मन मस्तिष्क में। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरदार बलदेव सिंह औलख (माननीय कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार)और रुद्रपुर के मेयर श्री विकास शर्मा विशिष्ट अतिथि, विधायक शिव अरोरा विशिष्ट अतिथि,वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता काशीपुर के पूर्व विधायक सरदार हरभजन सिंह चीमा ने की। किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ व दिल्ली सिक्ख गुरुद्वारा कमेटी के महासचिव सरदार जगमीत सिंह काहलों भी विशिष्ट अतिथि के रूप में व देहरादून से सरदार गुरदीप सिंह सहोता , अध्यक्ष उत्तराखंड सिक्ख कोआर्डिनेशन कमेटी भी शामिल हुए। सभी ने श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350 वें शहादत वर्ष पर हुए कार्यकम में गुरुओं के इतिहास, बलिदान से प्रेरणा लेने का आह्वान किया व कार्यक्रम की प्रशंसा की।इस दौरान बाब अनूप सिंह,गुरुदरा सिंघ सभा के प्रधान जोगेंद्र सिंह,पूर्व प्रधान सुरमुख सिंह विर्क,जसविंदर सिंह खरबंदा,जरनैल सिंह काली, सलविंदर सिंह कलसी, सरदार सिंह चावला, जेपीएस के चेयरमैन सुरजीत सिंह ग्रोवर ,व्यापार मंडल अध्यक्ष,संजय जुनेजा,कांग्रेसी नेता मोहन खेड़ा,पूर्व मेयर रामपाल सिंह समेत भारी संख्या में आमजन मौजूद रहे। कार्यकम का संचालन देव भूमि व्यापार मंडल केजिलाध्यक्ष गुरमीत सिंह ने किया।

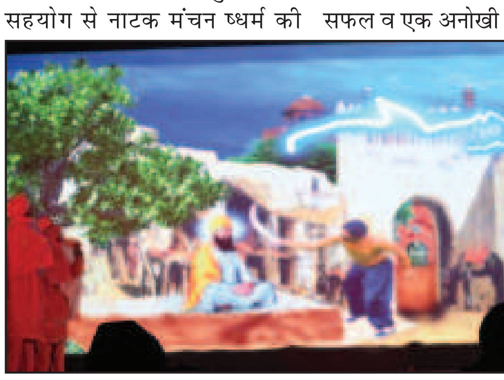

ठंड में ड्यूटी देते पुलिसकर्मियों को एसएसपी ने दी कैटल

हल्द्वानी । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मंजूनाथ टी सी द्वारा एक अनूठी पहल की गई है। जिले के कप्तान द्वारा बढ़ती ठंड को देखते हुए पूरे जिले की सभी थाने व चौकिया में ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मियों के लिए कैटल देकर शुरुआत की गई। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा कैटल को इसलिए चुना गया क्योंकि उनके जेहन में यह बात

आई कि ठंड में चाय व गर्म पानी के लिए पुलिसकर्मी आसपास परेशान होते होंगे। एसएसपी के इस कदम से पूरे जिले के पुलिस कर्मियों का हौसला बढ़ा है। वहीं एसएसपी ने यह साबित कर दिया कि वह आम जनमानस की सुरक्षा के साथ-साथ अपने जिले की पुलिस कर्मियों का भी ध्यान रखकर अपना कर्तव्य निभा रहे है।

सहकारी समिति के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने ली शपथ

पूर्व विधायक ने कहा सहकारिता से साकार होगा आत्मनिर्भर उत्तराखंड का सपना

किच्छा। पूर्वी किच्छा बहुद्देशीय किसान सेवा सहकारी समिति बरा के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और संचालक मंडल के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। इस अवसर पर पूर्व विधायक ने कहा कि सहकारी समितियों के हालिया चुनावों में किच्छाख्ररुद्रपुर क्षेत्र की अधिकांश समितियों में भाजपा समर्थित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और संचालकों का निर्विरोध या एकतरफा निर्वाचन यह दर्शाता है कि कृषक वर्ग का भारतीय जनता पार्टी पर गहरा विश्वास है। उन्होंने कहा कि सहकारिता केवल आर्थिक लाभ का माध्यम नहीं, बल्कि आपसी सहयोग, विश्वास और सामूहिक विकास का सशक्त मॉडल है। सहकारी समितियों का उद्देश्य सदस्यों के हितों की रक्षा करना और उन्हें सशक्त बनाना है, क्योंकि इनका स्वामित्व और संचालन स्वयं सदस्यों के हाथों में होता है, जिससे पारदर्शिता और सहभागिता सुनिश्चित होती है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और सहकारिता मंत्री धन सिंह रावत के नेतृत्व में प्रदेश की 670 किसान सेवा सहकारी समितियों का कंप्यूटरीकरण पूरा हो चुका है, जिससे उत्तराखंड देश का पहला राज्य बन गया है। उन्होंने कहा कि सहकारिता के माध्यम से आत्मनिर्भर उत्तराखंड का सपना साकार किया जा सकता है, जो आत्मनिर्भर भारत की दिशा में अहम कदम है। पूर्व विधायक ने जानकारी दी कि सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को कृषि कार्यों के लिए एक लाख रुपये और कृषि कार्योत्तर गतिविधियों के लिए तीन लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं स्वयं सहायता समूहों को पांच लाख रुपये तक का ऋण दिया जा रहा है। इसके साथ ही मिलेट्स सहित विभिन्न कृषि उत्पादों के लिए किसानों को लगभग 25 करोड़ रुपये का भुगतान सहकारी समितियों के माध्यम से किया गया है। उन्होंने नव निर्वाचित पदाधिकारियों से स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने, उनके लिए बाजार विकसित करने और युवाओं व महिलाओं को अधिक से अधिक रोजगार से जोड़ने की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा प्रदेश और केंद्र सरकार सहकारी समितियों के सुदृढ़ीकरण और विकास के लिए निरंतर प्रयासरत हैं और भविष्य में अमूल व इफको की तर्ज पर नए सहकारी उपक्रम स्थापित होंगे,जिससे किसानों की स्थिति और मजबूत होगी।शपथ ग्रहण समारोह में अध्यक्ष अमरजीत कौर, उपाध्यक्ष हरीश कुमार तथा संचालक मंडल के लक्ष्मी देवी, महेंद्र कुमार, सर्वजीत कौर, जसविंदर कौर, दिलबाग सिंह, शर्वरी, श्रवणकुमार, राम उजागर, तौफीक अहमद और मोहन स्वरूप ने शपथ ली। कार्यक्रम को पूर्व जिपं अध्यक्ष ईश्वरी प्रसाद गंगवार और ब्लॉक प्रमुख पति जितेंद्र गौतम ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष रमेश बाबा, पूर्व मंडल अध्यक्ष उमेश मिश्रा सहित बड़ी संख्या में सोसाइटी के अंशधारक रहे।

उत्तरांचल दर्पण
सम्पादकीय सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

वोटर के अहम विरोधाभास

देश के 12 राज्यों और संघशासित क्षेत्रों में चुनाव आयोग ने मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण के लिए 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) का अभियान चलाया था। कुल 51 करोड़ मतदाताओं का पुनरीक्षण किया जाना था। एसआईआर की प्रक्रिया के बाद 6.57 करोड़ मतदाताओं के नाम सूचियों से काट दिए गए। यह बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण आंकड़ा है। दो विरोधाभासी तस्वीरें सामने आई हैं। देश के सबसे बड़े राज्य उप्र में ही 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए हैं, जबकि उप्र में भाजपा की सरकार है। इसके उलट असम में 2001 के बाद 1 करोड़ से अधिक मतदाता बढ़ गए हैं। वहां की मतदाता सूची के ड्राफ्ट में 2 करोड़ 52 लाख 02775 मतदाता दर्ज किए गए हैं। 2021 के बाद से 18 लाख से अधिक मतदाता बढ़े हैं, जबकि पुनरीक्षण के दौरान 10.6 लाख नाम काटे भी गए हैं। गौरतलब यह है कि 93021 मतदाताओं को 'डी' श्रेणी में रखा गया है। उन 'संदेहास्पद' नामों को भी मतदाता सूची में शामिल किया गया है, लेकिन वे तब तक वोट डालने के 'अपात्र' रहेंगे, जब तक उनकी भारतीय नागरिकता घोषित नहीं हो जाती। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा का बयान संवेदनशील और चेतावनीपूर्ण है कि राज्य में बांग्लादेश मूल के लोगों की संख्या 40 फीसदी को पार कर चुकी है। यदि उनकी आबादी 50 फीसदी से अधिक हो गई, तो वे असम राज्य के बांग्लादेश में विलय की साजिश रच सकते हैं। ऐसी कोशिशें भी जारी हैं। सवाल है कि उप्र में जो 2.89 करोड़ नाम कटे हैं और असम में जो 18 लाख से ज्यादा मतदाता बढ़े हैं, क्या वे बांग्लादेशी अथवा रोहिंग्या घुसपैठिए हैं? चुनाव आयोग स्पष्ट क्यों नहीं करता? जिन मतदाताओं की मौत हो चुकी है, उनकी संख्या स्पष्ट है और वे नाम मतदाता सूचियों से बाहर किए जाने चाहिए, लेकिन चुनाव आयोग ने जिन मतदाताओं को मिसिंग, लापता, गायब, पते पर गैरहाजिर और संदेहास्पद करार दिया है, उनके आधार क्या हैं?क्या उनकी नागरिकता भी सवालिया है? बेशक नागरिकता का संवैधानिक अधिकार चुनाव आयोग के पास नहीं है। वह गृह मंत्रालय का विशेषाधिकार है, लेकिन जिन मतदाताओं को मिसिंग या शिफ्ट करार दिया गया है, उनका मताधिकार तो सुरक्षित है न? वे देश में जहां भी होंगे, क्या वहां के मतदाता बना दिए जाएंगे अथवा वे अनाथ हो जाएंगे? कमोबेश भारत में मताधिकार मौलिक अधिकार है और उसे कोई भी सरकार या चुनाव आयोग छीन नहीं सकता। ऐसा लगता है कि यह मामला नए सिरे से सर्वोच्च अदालत के सामने जाएगा। अभी तक विपक्ष 'वोट चोरी' के मुद्दे पर प्रलाप कर रहा था। बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान खासकर कांग्रेस ने 'वोट चोर, गद्दी छोड़' के नारे लगाए थे, लेकिन 'वोट चोरी' साबित नहीं हो सकी। यह प्रलाप पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में भी सुना गया। दोनों ही राज्यों में 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। उप्र में भाजपा की सरकार है और केंद्र में भी भाजपा-एनडीए सत्तारूढ़ हैं, लिहाजा वहां 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम कटना एक सनसनीखेज घटना है। क्या वे मतदाता फर्जी थे? किसने बनाए थे वे वोट? और अब एसआईआर में मतदाताओं के नाम काट क्यों दिए गए? क्या खुद भाजपा ने 'वोट चोरी' को अंजाम दिया है? क्या वे वाकई भाजपा समर्थक मतदाता थे? यह बेहद हास्यास्पद स्थिति है। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा समर्थक 4 करोड़ मतदाताओं के गायब होने की घोषणा की थी और पार्टी को भी आगाह किया था। मुख्यमंत्री को यह सूचना कैसे मिली और उन्होंने किस आधार पर घोषणा की? क्या 2.89 करोड़ मतदाता आभासी थे या घुसपैठिए थे अथवा अजैविक, डिजिटल वोटर थे? इस सवाल का जवाब चुनाव आयोग को ही देना है।

प्रगति पोर्टल की तर्ज पर प्रदेश में भी योजनाओं की होगी समीक्षा

मुख्य सचिव ने दिए जनवरी 2026 से प्रत्येक माह स्टेट प्रगति बैठक शुरू करने के निर्देश

देहरादून (उद संवाददाता)।मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सोमवार को सचिवालय में पीएम प्रगति के अंतर्गत योजनाओं की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने प्रदेश में पीएम प्रगति की तर्ज पर स्टेट प्रगति शुरू किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह का एक दिन निर्धारित कर राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार की फ्लैगशिप एवं अत्यंत महत्त्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की जाए। उन्होंने जनवरी, 2026 में स्टेट प्रगति की प्रथम बैठक आयोजित किए जाने के निर्देश दिए।मुख्य सचिव ने पीएमश्री योजना के अंतर्गत चिन्हित स्कूलों में कम्प्यूटर/सूचना और संचार प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (आईसीटी लैब), स्मार्ट क्लासेस, लाईब्रेरी आदि की व्यवस्था शीघ्र किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके लिए लिए ईएफसी/डीएफसी सहित अन्य कार्यों को मार्च तक पूर्ण कराए जाने के

निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि समय से कार्य पूर्ण हो इसके लिए सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को लक्ष्य दिए जाएं एवं नियमित मॉनिटरिंग की जाए।मुख्य सचिव ने अटल टिंकरिंग लैब की तर्ज पर स्टेट फंड से भी विद्यालयों में टिंकरिंग लैब तैयार किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टिंकरिंग लैब में ऐसे नवाचारी एवं जिज्ञासु प्रवृत्ति के अध्यापकों को तैनात किया जाए, जो बच्चों के भीतर छिपी उनकी प्रतिभा को निखारकर उन्हें नवोन्मेषी बना सकें। उन्होंने कहा कि शुरूआत में ऐसे 10-12 स्कूलों को तैयार कर नवोन्मेषी प्रोटोटाईप मॉडल तैयार करवाए जाएं, जो राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर सकें।मुख्य सचिव ने कहा कि जिन प्राथमिक विद्यालयों में अपना खेल का मैदान उपलब्ध नहीं है, उनके लिए आस पास खेल के मैदान की व्यवस्था की जाए। इसके लिए जिलाधिकारियों द्वारा क्षेत्रीय राजस्व अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी जाए। उन्होंने सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को प्रो-एक्टिव होकर कार्य किए जाने की बात कही।मुख्य सचिव ने सहकारिता विभाग के अंतर्गत प्राथमिक कृषि ऋण समितियों की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राथमिक कृषि ऋण समितियों का कम्प्यूटराईजेशन शीघ्र पूर्ण कर लिया जाए। उन्होंने ऋण समितियों का ऑन-सिस्टम ऑडिट और डे-एंड क्लोजर को 100 प्रतिशत लागू किए जाने में तेजी लायी जाए।इस अवसर पर सचिव धीराज सिंह गर्ब्याल एवं अपर सचिव एवं निबंधक सहकारिता मेहरबान सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बाल निलयम जूनियर हाई स्कूल में वार्षिक खेलकूद पुरस्कार वितरण समारोह

पंतनगर। विश्वविद्यालय परिसर स्थित बाल निलयम जूनियर हाई स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरण समारोह का हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति मनमोहन सिंह चौहान रहे। इस अवसर पर कुलपति ने विद्यालय की शिक्षिकाओं द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास में दिए जा रहे योगदान की सराहना की। उन्होंने शिक्षकों को छात्रों के व्यवहारिक कौशल को और बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने को प्रेरित

किया। साथ ही अभिभावकों से बच्चों में स्वच्छता की आदतें विकसित करने में सहयोग देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन से जुड़े अधिकारी, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता, प्रधानाध्यापिका, सभी अध्यापिकाएं, कर्मचारी, अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विजया शुक्ला और राजरानी ने संयुक्त रूप से किया। समारोह के दौरान विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी सराहना मिली।कार्यक्रम के अंत में कुलपति द्वारा वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं में उत्कृष्टप्रदर्शन करने वाले 66 विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

नैनीताल की ठंड में ग्राहक को चढ़ा गुस्सा, दुकानदार को कूटा

नैनीताल। मल्लीताल की इंद्रा मार्केट में उस वक्त हंगामा खड़ा हो गया, जब बैल्ट खरीदने आए एक कथित नशे में धुत ग्राहक ने दुकानदार के साथ मारपीट कर दी। आरोप है कि बैल्ट के दाम सुनते ही ग्राहक भड़क गया और पहले गाली-गलौज, फिर हाथापाई पर उतर आया। घटना के बाद आरोपी अपने साथी के साथ स्कूटी से फरार हो गया। पीड़ित दुकानदार ने सीसीटीवी फुटेज के साथ कोतवाली मल्लीताल में

शिकायत दर्ज कराई है।इंद्रा मार्केट में रोजमर्रा के सामान, कपड़े और बैल्ट की दुकान चलाने वाले नावेद अली के अनुसार, करीब 11:30 बजे दो लोग उनकी दुकान पर पहुंचे। इनमें से एक व्यक्ति पैंट में लगाने वाली बैल्ट खरीदने दुकान के भीतर आया। नावेद का आरोप है कि ग्राहक शराब के नशे में था और बैल्ट के दाम सुनते ही उग्र हो गया। उसने धमकी देते हुए नावेद से हाथापाई शुरू कर दी। इसी दौरान बाहर खड़ा दूसरा व्यक्ति भी झगड़े में कूद पड़ा।घटना के दौरान दोनों पक्षों में जमकर गुत्थम-गुत्था हुई। आसपास के लोगों के एकत्र होने पर दोनों आरोपी स्कूटी से मौके से भाग निकले। नावेद ने बताया कि हमलावर जाते-जाते जान से मारने की धमकी भी देकर गए और दुकान से कुछ सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

भारत ने 6100 किलो वजनी उपग्रह प्रक्षेपित करने का रचा इतिहास

अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत ने दुनिया का सबसे ज्यादा वजनी अमेरिकी उपग्रह पृथ्वी की कक्षा में प्रक्षेपित कर इतिहास रच दिया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बुधवार दिनांक 24 दिसंबर 2025 की सुबह अमेरिकी कंपनी एएसटी स्पेस मोबाइल के ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 उपग्रह को अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित करके वैश्विक उपलब्धि हासिल की है। इस उपग्रह को स्थापित करने के लिए 520 किमी की वृत्तीय कक्षा का लक्ष्य था। यह 518.5 किलोमीटर की कक्षा में स्थापित हुआ है। अंतर केवल 1.5 किमी का है। इस नाते किसी प्रक्षेपण यान का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इसरो का कहना है कि यह उपग्रह सबसे अधिक वजनी 6100 किलोग्राम का है। यह भारत की धरती से प्रक्षेपित किए जाने वाला सबसे भारी उपग्रह हैं। इस व्यावसायिक उपग्रह का प्रक्षेपण श्रीहरिकोटा से किया गया है। एलवीएम-3-एम-6 रॉकेट की भारी वजन उठाने की विलक्षण क्षमता के कारण इसे 'बाहुबली' नाम दिया गया है। यह अभियान भविष्य में इंटरनेट कनेक्टिविटी को बदलने वाला साबित होगा। इसका लक्ष्य दुनिया भर में डायरेक्ट-टू-मोबाइल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना है। इसके जरिए सामान्य स्मार्टफोन पर 4-जी-5-जी वॉयस, वीडियो, मैसेजिंग, स्ट्रीमिंग और हाई स्पीड डेटा स्थानांतरण आसान होगा। ज्ञात हो अमेरिका की एएसटी स्पेस मोबाइल कंपनी दुनिया का पहला और एकमात्र स्पेस आधारित सेलुलर ब्रॉडबैंड नेटवर्क बना रही है, इसे स्मार्टफोन से एक्सेस किया जा सकेगा। जिस रॉकेट से इस उपग्रह का प्रक्षेपण किया गया है, उसी से भारतीय गगनयान अभियान को गंतव्य तक पहुंचाया जाएगा। इसके पहले इसरो ने 2 नवंबर 2025 को अंतरिक्ष के क्षेत्र में 4410 किलो वजनी स्वदेशी संचार उपग्रह सीएमएस-03 (जी-सैट-7-आर) प्रक्षेपित करके इतिहास रचा था। यह उपग्रह देश के सबसे शक्तिशाली रॉकेट प्रक्षेपण यान मार्क-3-एम-5 के जरिए प्रक्षेपित किया गया था। अब तक इसे इसरो का सबसे अधिक ताकतवर रॉकेट कहा जाता रहा है। अतएव इसी के समांतर इसका नामकरण 'बाहुबली' रख दिया है। यह रॉकेट अब तक चंद्र अभियान समेत अन्य पांच मिशन सफलतापूर्वक अंजाम तक पहुंचा चुका है। इसे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर आर्बिट) में प्रक्षेपित किया गया है। यह एक दीर्घ वृत्ताकार कक्षा है, जिसका उपयोग उपग्रहों को निम्न पृथ्वी कक्षा से भू-समकालिक कक्षा में स्थानांतरित करने के लिए किया जाता है। यह एक ऐसी कक्षा है, जिसमें उपग्रह का परिक्रमा काल पृथ्वी के घूर्णन समय के बराबर होता है। यानी लगभग 23 घंटे 56 मिनट और 4 सेकेंड। इसे एक नक्षत्र दिवस कहा जाता है। यह उपग्रह 2013 में स्थापित किए गए जी-सैट-7 रुक्मिणी की जगह लेगा। फिलहाल यही उपग्रह नौसेना के संचार माध्यमों का मुख्य आधार है। रुक्मिणी ने युद्धपोतों, पनडुब्बियों, विमानों और समुद्र तटों पर बने कमांड के बीच वास्तविक समय संचार को संभव बनाया है। साल 2018 में इसरो ने एक साथ 104 उपग्रह अंतरिक्ष में प्रक्षेपित करके विश्व इतिहास रच दिया था। दुनिया के किसी एक अंतरिक्ष अभियान में इससे पूर्व इतने उपग्रह एक साथ पहले कभी नहीं छोड़ गए थे। इसरो ने पीएसएलबी-सी 40 के जरिए कार्टोसैट-2 श्रृंखला के उपग्रह का कामयाब प्रक्षेपण किया था। इस यान के द्वारा 31 उपग्रह प्रक्षेपित किए गए थे। यह उच्च कौशल से जुड़ी तकनीक का काम था। इन सूक्ष्म (माइक्रो) एवं अति-सूक्ष्म (नैनो) उपग्रहों में से आधे अमेरिका के थे और शेष भारत, फिनलैंड, कनाडा, फ्रांस, दक्षिण कोरिया और ब्रिटेन के थे। ये उपग्रह ऐसी तकनीक से भी पूर्ण थे, जिनसे किसी निधीरित स्थल की विशेष तस्वीर खींची जा सकती है। इसीलिए इन उपग्रहों को लेकर पाकिस्तान और चीन ने आपत्ति जताई थी। दरअसल इसी श्रृंखला के उपग्रहों से मिली तस्वीरों की मदद से ही भारत ने नियंत्रण रेखा पर स्थित पाकिस्तान के कई आतंकी शिविरों को नष्ट करने में सफलता हासिल की थी। प्रक्षेपण तकनीक दुनिया के चंद छह-सात देशों के पास ही है। लेकिन सबसे सस्ती होने के कारण दुनिया के इस तकनीक से महरूम देश अमेरिका, रूस, चीन, जापान का रुख करने की बजाय भारत से अंतरिक्ष व्यापार करने लगे हैं। सूचना तकनीक का जो भूमंडलीय विस्तार हुआ है,उसका माध्यम अंतरिक्ष में छोड़े गए उपग्रह ही हैं। टीवी चौनलों पर कार्यक्रमों का प्रसारण भी उपग्रहों के जरिए होता है। इंटरनेट पर बेबसाइट, फेसबुक, ट्विटर, ब्लॉग और वॉट्सअप की रंगीन दुनिया व संवाद संप्रेशण बनाए रखने की पृष्ठभूमि में यही उपग्रह हैं। मोबाइल पर वाई-फाई जैसी संचार सुविधाएं उपग्रह से संचालित होती है। अब तो शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, मौसम, आपदा प्रबंधन और प्रतिरक्षा क्षेत्रों में भी उपग्रहों की मदद जरूरी हो गई है। जो रोबोट सैनिक सीमाओं की रखवाली में लगे हैं, वे भी इन्हीं उपग्रहों और सुपर कंप्यूटरों में दर्ज कृत्रिम बुद्धि की मदद से संचालित होते हैं। बावजूद भारत के लिए अंतरिक्ष संबंधी उपलब्धियों के दृष्टिगत चुनौतियां कम नहीं हैं, क्योंकि हमारे अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने अनेक विपरीत परिस्थितियों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वे गर्व करने लायक हैं। गोया, एक समय ऐसा भी था,जब अमेरिका के दबाव में रूस ने क्रायोजेनिक इंजन देने से मना कर दिया था। असल में प्रक्षेपण यान का यही इंजन वह अश्व-शक्ति है, जो भारी वजन वाले उपग्रहों को अंतरिक्ष में पहुंचाने का काम करती है। फिर हमारे जीएसएलएसवी मसलन भू-उपग्रह प्रक्षेपण यान की सफलता की निर्भरता भी इसी इंजन से संभव थी। अब हमारे वैज्ञानिकों ने दृढ़ इच्छा शक्ति का परिचय दिया और स्वदेशी तकनीक के बूते क्रायोजेनिक इंजन विकसित कर लिया है। अब इसरो की इस स्वदेशी तकनीक का दुनिया लोहा मान रही है। इसरो के अनुसार भारत उन छह देशों में से एक है, जिन्होंने स्वदेशी क्रायोजेनिक प्रौद्योगिकी विकसित कर ली है। अन्य पांच देश अमेरिका, फ्रांस, रूस, चीन और जापान हैं। इसरो के सीई-20 इंजन ने गगनयान मिशन के लिए मानव रेटिंग हासिल कर ली है। मानव रेटिंग प्रक्रिया तय करती है कि मनुष्य को अंतरिक्षयान में लेकर उड़ान भरने वाली यह प्रणाली सुरक्षित है। यह अंतरिक्ष यात्रा के लिए सुरक्षा मानकों को पूरा करने के लिए एक जरूरी प्रक्रिया है। एक समय क्रायोजेनिक प्रौद्योगिकी भारत को अन्य देशों ने नहीं दी थी। परंतु आज हमारे पास तीन ऐसे इंजन हैं, जिनमें से तीसरा मानव रेटेट है। हमने इस प्रौद्योगिकी में तीन विश्व रिकॉर्ड बनाए हैं। इस अभियान को तीसरे प्रयास में ही लक्ष्य तक पहुंचा दिया गया था। इंजन के परीक्षण से लेकर उड़ान भरने तक यह अभियान 28 महीनों में पूरा किया, जबकि अन्य देशों को इसमें 42 महीनों से लेकर 18 वर्ष तक का समय लगा। परीक्षण में भी हमें मात्र 34 दिन लगे, जबकि अन्य देशों को परीक्षण पूरा करने में ही पांच से छह माह तक लगे हैं। यही वह इंजन है, जो मानव रेटेड एलवीएम-3 प्रक्षेपण वाहन के ऊपरी चरण को शक्ति प्रदान करेगा। ये सब तैयारियां भेजे गए मानवों को सुरक्षित रूप में वापस लाने के लिए की जा रही हैं। दरअसल भारत ने शुरुआत में रूस से इंजन खरीदने का अनुबंध किया था। लेकिन 1990 के दशक के आरंभ में अमेरिका ने मिसाइल तकनीक नियंत्रण व्यवस्था (एमटीसीआर) का हवाला देते हुए इसमें बाधा उत्पन्न कर दी थी। इसका असर यह हुआ कि रूस ने तकनीक तो नहीं दी लेकिन छह क्रायोजेनिक इंजन जरूर भारत को शुल्क लेकर भेज दिए। कालांतर में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की मदद से भारत को एमटीसीआर क्लब की सदस्यता भी मिल गई, लेकिन इसके पहले ही इसरो के वैज्ञानिकों के कठोर परिश्रम और दृढ़ इच्छा शक्ति के चलते स्वदेशी तकनीक के बूते चरणबद्ध रूपों में इंजन को विकसित करने में सफलता हासिल कर ली।

प्रमोद भार्गव,लेखक/पत्रकार

दून विवि के छठे दीक्षांत समारोह में 42 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक

देहरादून (उद सवांददाता)।दून विश्वविद्यालय के छठे दीक्षांत समारोह का आयोजन सोमवार को भव्य रूप से किया गया, जिसमें राज्यपाल एवं कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर विभिन्न संकायों के 42 मेधावी छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें 34 स्वर्ण पदक छात्राओं द्वारा प्राप्त किए जाने पर राज्यपाल ने विशेष प्रसन्नता व्यक्त की।विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि दीक्षांत केवल उपाधि प्राप्त करने का अवसर नहीं, बल्कि छात्र जीवन से आगे बढ़कर एक जिम्मेदार नागरिक बनने की यात्रा का प्रारंभ है। उन्होंने इसे अमृत पीढ़ी के परिश्रम, अनुशासन और संकल्प का उत्सव बताया। राज्यपाल ने उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि माता-पिता के त्याग, शिक्षकों के मार्गदर्शन और विश्वविद्यालय की सकारात्मक शैक्षणिक संस्कृति का परिणाम है।इस वर्ष दीक्षांत समारोह की विषयवस्तु कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर केंद्रित रही। इस पर बोलते हुए राज्यपाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वर्तमान समय में शिक्षा, अनुसंधान और कार्यशैली को नई दिशा देने वाला सशक्त माध्यम बन चुका है। उन्होंने दीक्षांत समारोह के मुख्य वक्ता और आईआईटी बॉम्बे के प्रोफेसर गणेश रामकृष्णन द्वारा प्रस्तुत भारतजेन जैसी स्वदेशी पहल का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय भाषाओं और संस्कृति के अनुरूप विकसित तकनीक ही समाज के अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंच सकती है। राज्यपाल ने युवाओं से आह्वान किया कि वे एआई का नैतिक, मानवीय और समाजोपयोगी उपयोग करते हुए

उत्तराखंड की भौगोलिक चुनौतियों और स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए नवाचार करें।राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत 2047 का लक्ष्य केवल आर्थिक उन्नति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक गौरव और मानवीय मूल्यों से युक्त राष्ट्र निर्माण का संकल्प है, जिसमें युवाओं की भूमिका निर्णायक होगी। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को दूरदर्शी पहल बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य रोजगार खोजने वाले नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाले युवा तैयार करना है। उन्होंने उत्तराखंड में पलायन और आपदा संवेदनशीलता जैसी समस्याओं का समाधान स्थानीय नवाचार, स्वरोजगार और सतत विकास में निहित बताया। छात्राओं की बड़ी भागीदारी पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं की प्रगति ही राज्य की वास्तविक प्रगति है।शिक्षा के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण की प्रक्रिया है। उन्होंने सत्य, ईमानदारी, अनुशासन और परोपकार को जीवन की सफलता का आधार बताते हुए विद्यार्थियों से नशे, दुर्व्यसन और डिजिटल लत से दूर रहने तथा राष्ट्र प्रथम की भावना को जीवन का मूल सिद्धांत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास जताया कि दून विश्वविद्यालय के स्नातक जहां भी जाएंगे, राज्य और राष्ट्र के सशक्त प्रतिनिधि बनकर भारत का मान बढ़ाएंगे।समारोह में उच्च शिक्षा मंत्री ध न सिंह रावत ने उपाधि धारकों को बध ाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विश्वविद्यालय की कुलपति सुरेखा डंगवाल ने प्रगति आख्या प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय में संचालित सेंटर फॉर हिंदू स्टडीज और डॉ. अंबेडकर चेयर की जानकारी दी तथा कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा, सामाजिक न्याय और महिला सशक्तीकरण के लिए ऐसे अकादमिक प्रयास अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।दीक्षांत समारोह के मुख्य वक्ता प्रोफेसर गणेश रामकृष्णन ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोई बाधा नहीं, बल्कि अपार संभावनाओं से भरा अवसर है। उन्होंने विद्यार्थियों से तकनीक के उपभोक्ता से निर्माता बनने की दिशा में कदम बढ़ाने का आह्वान किया। समारोह में पद्मश्री बसंती बिष्ट, कल्याण सिंह रावत मैती, डॉ. बी. के.एस. संजय, पूर्व पुलिस महानिदेशक अनिल रतूड़ी सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, विद्या परिषद और कार्य परिषद के सदस्य, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एएनएम को दिया एफपीएलएमआईएस पोर्टल का सघन प्रशिक्षण

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। जनपद में परिवार नियोजन सेवाओं को सुदृढ़ करने और सामग्री की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. के.के. अग्रवाल की अध्यक्षता में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जनपद के समस्त स्वास्थ्य उपकेंद्रों पर तैनात एएनएम को एफपीएलएम आईएस पोर्टल के संचालन का विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए सीएमओ डॉ. के.के. अग्रवाल ने कहा कि भारत सरकार की प्राथमिकता अब स्वास्थ्य सेवाओं को पूरी तरह डिजिटल बनाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब परिवार नियोजन की सभी सामग्रियां जैसे- कंडोम, छाया, अंतरा इंजेक्शन, ई-पिल्स आदि केवल पोर्टल के माध्यम से ही मंगवाई और वितरित की जाएंगी। नो पोर्टल, नो सप्लाई बिना पोर्टल पर डिमांड और वितरण की एंट्री किए,

भविष्य में किसी भी स्तर पर सामग्री का आवंटन नहीं किया जाएगा।इससे सामग्री की बर्बादी रुकेगी और यह पता चल सकेगा कि किस केंद्र पर कितना स्टॉक शेष जिला समन्वयक एवं मास्टर ट्रेनर प्रदीप मेहर ने प्रोजेक्टर के माध्यम से पोर्टल के तकनीकी पहलुओं का लाइव डेमो दिया। उन्होंने बताया कि एएनएम को अपने उप-केंद्र के मौजूदा स्टॉक की एंट्री कैसे करनी है। स्टॉक कम होने पर पोर्टल के जरिए। उच्च अधिकारियों को मांग पत्र कैसे भेजना है। लाभार्थी को सामग्री देते समय उसकी प्रविष्टि पोर्टल पर कैसे सुनिश्चित करनी है। उन्होंने मोबाइल ऐप के माध्यम से भी डेटा फीडिंग की बारीकियों को समझाया ताकि सुदूर क्षेत्रों में भी एएनएम आसानी से काम कर सकें।जवाबदेही और अनुशासन कार्यशाला में मौजूद डॉ. हरेंद्र मलिक ने कड़े निर्देश देते हुए कहा कि पोर्टल पर डेटा अपडेट न करने वाली एएनएम की जवाबदेही तय की जाएगी। यदि पोर्टल एंट्री के अभाव में किसी केंद्र पर सामग्री की कमी पाई जाती है या रिकॉर्ड में विसंगति होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी स्वयं संबंधित एएनएम की होगी। बैठक में एसीएमओ डॉ. डी. पी. सिंह ने भी अपने विचार साझा किए और लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के महत्व पर जोर दिया। इस अवसर पर चांद मियां, पीएसआई से डॉ. सुबोध, सौरभ शर्मा और स्वास्थ्य विभाग के अन्य प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

रामनगर में अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों के लिए निशुल्क सिविल सेवा कोचिंग का शुभारंभ

रामनगर(उद सवांददाता)। रामनगर में उत्तराखंड सरकार द्वारा अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों के लिए निशुल्क सिविल सेवा कोचिंग सेंटर का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम रामनगर स्थित पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित किया गया। शुभारंभ करते हुए समाज कल्याण विभाग के निदेशक डॉ संदीप तिवारी ने सभी छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा

कि उत्तराखंड सरकार की इस पहल के तहत प्रथम चरण में रामनगर महाविद्यालय और एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय में कोचिंग शुरू की जा रही है। दोनों स्थानों पर 50-50 अभ्यर्थी इसमें शामिल होंगे। राजकीय महाविद्यालय रामनगर के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ मोहन चंद पांडे ने बताया कि रामनगर में इस कोचिंग सेवा के लिए कुल 71 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। 1 जनवरी से इस कोचिंग की शुरुआत की जाएगी। प्राचार्य ने सभी अभ्यर्थियों से मेहनत और प्रतिबद्धता के साथ प्रशिक्षण लेने का आह्वान किया, ताकि वे अपने लक्ष्य तक पहुँच सकें।

अल्मोड़ा डीएच के जन औषधि केंद्र में खामियां, जांच के निर्देश

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)। जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में संचालित जन औषधि केंद्र में तमाम खामियां मिली। जिस पर डीएम ने कार्रवाई के निर्देश दिए।डीएम ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी, औषधि वितरण कक्ष, जन औषधि केंद्र के स्टॉक रजिस्टर और दवाओं की उपलब्धता की जांच की। इसके अलावा अल्ट्रासाउंड, डिजिटल एक्स-रे व पैथोलॉजी लैब की कार्यप्रणाली का भी अवलोकन किया। जन औषधी के निरीक्षण के दौरान केंद्र में न पर्याप्त दवाइयां दिखीं और न ही दवाइयों का

रिकार्ड। डीएम ने उपलब्ध दवाइयों का डाटा मांगा तो संचालिका नहीं दिखा पाई। डीएम ने तत्काल स्टॉक और बिक्री की गई दवाइयों को डाटा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही स्टॉक रजिस्टर का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। निरीक्षण के दौरान डीएम ने जिला अस्पताल में चिकित्सा सेवाओं का लाभ लेने आए रोगियों से संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव भी सुने। इस अवसर पर पीएमएस एचसी गड़कोटी को निर्देशित किया गया कि अस्पताल की सभी सेवाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप, सुचारु एवं पारदर्शी रूप से संचालित हो। ताकि आमजन को समयबद्ध व बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सके।डीएम ने अस्पताल में सीसीटीवी कैमरों की स्थिति, शौचालय व्यवस्था एवं अस्पताल परिसर की साफ-सफाई की समीक्षा की गई। उन्होंने प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक को शौचालयों की साफ सफाई सुनिश्चित करने और परिसर में गंदगी फैलाने वालों पर कड़ा जुर्माना लगाने के निर्देश दिए।

बिना लाइसेंस चल रहा था जन औषधि केंद्रःडीएम के द्वारा जन औषधि केंद्र के लाइसेंस लाइसेंस की अवधि समाप्त होने की स्थिति को देखते हुए अग्रिम आदेशों तक केंद्र का संचालन सीएमएस की निगरानी में किए जाने के निर्देश दिए। वहीं, स्टॉक रजिस्टर का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने व किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

सीबीआई जांच की मांग को लेकर कल सिर मुंडन करवायेंगे संजय जुनेजा

रुद्रपुर। अंकिता हत्याकांड की सीबीआई जांच कराने और दोषियों को सजा दिलाने की मांग को लेकर कांग्रेस नेता संजय जुनेजा ने कल बुधवार को शाम मुंडन करने

का ऐलान किया है उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की शांत वादियों को झकझोर देने वाले अंकिता भंडारी हत्याकांड ने पूरे प्रदेश की आत्मा को आहत किया है। एक साध ारण परिवार की बेटी अंकिता, जिसने सम्मान के साथ जीवन जीने का सपना देखा था, उसे अन्याय और सत्ता के दंभ ने निगल लिया। यह केवल एक हत्या नहीं, बल्कि न्याय, संवेदना और मानवता की परीक्षा है। उन्होंने कहा प्रदेश में जनाक्रोश लगातार बढ़ रहा है। इसी क्रम में वह इस जघन्य अपराध के विरोध में और मामले में संलिप्त वीआईपी आरोपियों को कठोरतम सजा दिलाने की मांग को लेकर बुधवार 31 दिसम्बर को सांकेतिक विरोध स्वरूप संजय नगर खेड़ा, दुर्गा मंदिर रुद्रपुर मे शाम 04 बजे अपना सिर मुंडवाएंगे। यह कदम सत्ता के संरक्षण में पनप रहे अपराधों के खिलाफ यह एक मौन, लेकिन अत्यंत सशक्त प्रतिरोध होगा। संजय ने कहा उनका व कांग्रेस पार्टी का यह शांतिपूर्ण प्रदर्शन अंकिता को श्रद्धांजलि, उसके परिवार के दर्द के साथ एकजुटता और यह संदेश है कि उत्तराखंड की जनता अन्याय को स्वीकार नहीं करेगी।

एंजेल चकमा के पिता को आर्थिक सहायता स्वीकृत

देहरादून।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर त्रिपुरा के छात्र एंजेल चकमा के पिता तरुण प्रसाद चकमा को तत्काल आर्थिक सहायता स्वीकृत करते हुए पहली किश्त के रूप में रूपये 4 लाख 12 हजार 5 सौ की आर्थिक सहायता जारी कर दी गई है। यह धनराशि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 एवं नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम-1955 के अंतर्गत स्वीकृत की गई है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार पीड़ित परिवार को तुरंत आर्थिक सहायता स्वीकृत किए जाने के लिए यह प्रकरण वरिष्ठ पुलिस अध ीक्षक देहरादून के माध्यम से जिला समाज कल्याण अधिकारी देहरादून को भेजा गया था। इस प्रकरण पर उपजिलाधिकारी विकासनगर एवं पुलिस उपाधीक्षक विकासनगर देहरादून की संयुक्त जांच रिपोर्ट प्राप्त कर जिलास्तरीय समिति की स्वीकृति की प्रक्रिया को तुरंत संपन्न कराते हुए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम-1989 एवं नागरिक अधिकार सरंक्षण अधि नियम-1955 के अंतर्गत उक्त आर्थिक सहायता स्वीकृत करने के साथ ही प्रथम किस्त का चौक एंजेल चकमा की पिता श्री तरुण प्रसाद चकमा को भेज दिया गया है।

पेज एक का शेष...

लाखों की नशीली दवाओं..... औषधि निरीक्षक शुभम कोटनाला, चौकी प्रभारी पैगा जितेन्द्र कुमार, उप निरीक्षक प्रकाश सिंह बिष्ट, हेड कांस्टेबल शेखर बनकोटी, कांस्टेबल दीपक प्रसाद, कांस्टेबल दिनेश तिवारी और कांस्टेबल दीपक जोशी आदि मौजूद थे।

एलाइनमेंट बदलने से ......हटाने या टनल पार्किंग को आगे बढ़ाने के लिए और बजट की जरूरत थी। इस कारण करीब एक साल से कैंप्टी टनल पार्किंग का काम आधार में लटका पड़ा है। कुल मिलाकर बजट और नई कंपनी की राह देखते-देखते यह साल भी गुजर गया और उत्तराखंड की एक बड़ी जरूरत इस साल भी नहीं पूरी हो सकी ।

100 **प्रतिशत ई-ऑफिस व्यवस्था....** करने के लिए भविष्य के खिलाड़ियों की पहचान और प्रशिक्षण की योजना बनाने पर जोर दिया। सभी जिलाधिकारियों को वन डिस्ट्रिक्ट वन स्पोर्ट योजना के तहत अपने जनपद में प्रमुख खेल चयनित करने के निर्देश दिए गए। सभी सचिवों को अपने विभागों और जनपद स्तरीय कार्यालयों में 100 प्रतिशत ई-ऑफिस व्यवस्था लागू करने, बायोमेट्रिक उपस्थिति को सैलरी प्रणाली से जोड़ने और आधार आईडी आधारित उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने सचिव पर्यटन को वन स्टेट वन ग्लोबल डेस्टिनेशन योजना के तहत प्रदेश के 5-7 पर्यटन स्थल चिन्हित करने, जनपदों से बेस्ट टूरिस्ट डेस्टिनेशन सूची साझा करने और वन डिस्ट्रिक्ट वन फेस्टिवल के तहत स्थानीय त्योहारों को बढ़ावा देने के निर्देश भी दिए।बैठक में प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, प्रशांत जोशी, विशेष प्रमुख सचिव अमित सिन्हा, सचिव शैलेश बगौली, सचिव सचिन कुर्वे, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा, चंद्रेश कुमार यादव, बृजेश कुमार संत, दीपक रावत, विनय शंकर पाण्डेय, विनोद कुमार सुमन, सी. रविशंकर, रणवीर सिंह चौहान, धीराज सिंह गर्ब्याल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी और जिलाधिकारी उपस्थित रहे।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर ;उत्तराखण्डद्धसे मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
पफोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

मदरसा बोर्ड खत्म करने के फैसले के बाद धामी सरकार को अल्पसंख्यक बुद्धिजीवियों की तलाश

अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के गठन की तैयारी

देहरादून। उत्तराखंड में मदरसा बोर्ड खत्म होने जा रहा है उसके स्थान पर मदरसा संचालकों को उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण से मान्यता लेनी होगी और उत्तराखंड शिक्षा बोर्ड से संबद्धता लेनी होगी। राजभवन से इस निर्णय की स्वीकृति मिलने के बाद अब धामी सरकार ने अल्पसंख्यक बुद्धिजीवियों की तलाश शुरू कर दी है । जानकारी के मुताबिक उक्त शिक्षा प्राधिकरण में मुस्लिम, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी आदि समुदाय से सदस्य होंगे जोकि मिलकर अल्पसंख्यक बच्चों के लिए पाठ्यक्रम तैयार करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस आशय के बिल पर उत्तराखंड के राज्यपाल पूर्व लेफ्ट जनरल गुरमीत सिंह ने अपने हस्ताक्षर करते हुए इसे मंजूरी दे चुके है। जिसके बाद से अल्पसंख्यक मंत्रालय आगे की कारवाई करने में जुट गया है। स्मरण रहे कि राज्यपाल ने बिल पर हस्ताक्षर करने से पहले राज्य के अल्पसंख्यक प्रतिनिधि मंडलों के साथ व्यापक चर्चा की थी जिनमें सिख, मुस्लिम, जैन, ईसाई, बौद्ध आदि धर्मों के लोग शामिल थे। बता दे कि गैरसैंण में आयोजित मानसून सत्र के दौरान अल्पसंख्यक शिक्षा विधेयक-2025 को पारित किया गया था और उसके बाद इसे मंजूरी के लिए राजभवन भेजा गया था। इस विधेयक के अंतर्गत उत्तराखंड में अल्पसंख्यक समुदायों की शिक्षा के लिए एक प्राधिकरण (।नजीवतपजल) का गठन किया जाएगा, जो अल्प संख्यक शैक्षणिक संस्थानों को मान्यता प्रदान करने का कार्य करेगा। साथ ही, विधेयक में यह प्रावधान भी किया गया है कि मदरसे जैसे अल्प संख्यक शिक्षा संस्थान अब उत्तराखंड शिक्षा बोर्ड से संबद्धता प्राप्त करनी होगी । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि उत्तराखंड में सभी अल्पसंख्यक बच्चे एक समान शिक्षा 2026 के जुलाई सत्र से पढ़ेंगे, मदरसा बोर्ड खत्म हो जाएगा और उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के अंब्रेला के नीचे मुस्लिम सिख ईसाई बौद्ध जैन शिक्षण संस्थाएं आएंगी। जिसके गठन की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने बताया कि देवभूमि में तुष्टिकरण की शैक्षिक नीति का अंत होने जा रहा है। अल्पसंख्यक समुदाय के सभी बच्चे , चाहे वो किसी भी समुदाय से होंगे वो राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुड़ेंगे।

संदिग्ध शस्त्र लाइसेंस धारकों पर होगी सख्ती

नियमों का उल्लंघन करने वालों के लाइसेंस निरस्त होंगे

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। ऊधमसिंहनगर जनपद में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा के निर्देश पर शस्त्र लाइसेंसों की व्यापक समीक्षा अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त या आपराधिक मुकदमों में शामिल शस्त्र लाइसेंस धारकों की पहचान कर उनके विरुद्ध सखध्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने बताया कि ऐसे सभी लाइसेंस धारकों की जांच की जा रही है जिनके विरुद्ध आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं या जो किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाए जाते हैं। ऐसे मामलों में लाइसेंस को निरस्त किया जाएगा। जिन व्यक्तियों के पास दो से अधिक शस्त्र लाइसेंस हैं, उनके मामलों की विशेष समीक्षा कर नियमों के अनुरूप अतिरिक्त लाइसेंस निरस्त किए जाएंगे। इसके अलावा, जनपद में पंजीकृत शस्त्रों के साथ-साथ अन्य जनपदों में पंजीकृत शस्त्रों की भी जांच की जा रही है। आवश्यकता न पाए जाने पर लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी मणिकांत मिश्रा के निर्देश पर विरासत में प्राप्त शस्त्र लाइसेंसों का भी परीक्षण किया जा रहा है। इसमें यह आकलन किया जा रहा है कि शस्त्र धारक को वास्तविक रूप से कितना और किस प्रकार का खतरा है तथा उसका शस्त्र समाज और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा तो नहीं कर रहा। यदि जोखिम पाया गया तो विधिक प्रक्रिया के तहत लाइसेंस निरस्त किया जाएगा। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शस्त्र लाइसेंस केवल वैधानिक और आवश्यक परिस्थितियों में ही मान्य हैं। जनपद में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह अभियान सख्ती के साथ जारी रहेगा।

थर्टी फर्स्ट को लेकर पुलिस अलर्ट मोड में

एसएसपी ने कानून-व्यवस्था और यातायात नियंत्रण के लिए दिए निर्देश, हुड़दंग मचाने वालों पर होगी कार्रवाई

रूद्रपुर। ऊधमसिंहनगर जनपद में 31 दिसंबर और नववर्ष के अवसर पर कानून-व्यवस्था, सार्वजनिक सुरक्षा और यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि पिछले वर्षों के अनुभवों से सीख लेते हुए इस बार किसी भी स्तर पर चूक नहीं होने दी जाएगी और पुलिस पूरी तरह सतर्क स्थिति में रहेगी। पुलिस ने संभावित भीड़ और संवेदनशील स्थानों का पूर्व आकलन कर रुद्रपुर, काशीपुर, सितारगंज, खटीमा सहित प्रमुख शहरी व व्यावसायिक क्षेत्रों को चिन्हित किया है। मॉल, बाजार, होटल-रेस्टोरेंट, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और प्रमुख चौराहों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। शराबी वाहन चालकों, चेन स्नैचिंग, छेड़छाड़, जेबकतरी और आपसी विवाद जैसी घटनाओं को रोकने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। एसएसपी ने जनपद के प्रत्येक थाना क्षेत्र को चार से पांच सेक्टरों में विभाजित किया है। प्रत्येक सेक्टर में प्रभारी अधिकारी की जिम्मेदारी स्पष्ट की गई है। भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में फुट पेट्रोलिंग और बैरिकेडिंग अनिवार्य की गई है। सभी प्रवेश और निकास मार्गों पर सघन चेकिंग होगी और पुलिसकर्मी वर्दी में रहेंगे। मोबाइल और वायरलेस संचार लगातार सक्रिय रखा जाएगा। रिजर्व फोर्स को दंगा नियंत्रण उपकरणों के साथ तत्पर अवस्था में रखा गया है। भीड़ नियंत्रण में न्यूनतम हस्तक्षेप के साथ अधिकतम दृश्य उपस्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। लाउडस्पीकर के माध्यम से लगातार चेतावनी और दिशा-निर्देश प्रसारित किए जाएंगे। संवेदनशील स्थानों पर वीडियोग्राफी कराई जाएगी और असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखते हुए आवश्यक होने पर बाइंड ओवर की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस कंट्रोल रूम सक्रिय रहेगा और एम्बुलेंस तथा फायर ब्रिगेड के साथ समन्वय स्थापित किया गया है। एसएसपी ने शराब विक्रेताओं, जुआरियों और चोर गिरोहों पर भी निगरानी के लिए सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी तैनात करने के निर्देश दिए हैं। रात्रि के समय विशेष चेकिंग अभियान चलाकर ब्रेथ एनालाइजर से शराबी ड्राइविंग की जांच की जाएगी। निर्धारित सीमा से अधिक पाए जाने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी और नियम उल्लंघन पर चालान, लाइसेंस जब्ती तथा व्यक्ति को थाने लाया जाएगा। प्रमुख सड़कों पर यातायात नियंत्रण लागू कर वैकल्पिक मार्गों का प्रबंध किया जाएगा। मणिकांत मिश्रा ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को ड्यूटी के दौरान पूर्ण सतर्कता बरतने, समयबद्ध राहत सुनिश्चित करने और किसी भी अप्रिय घटना की सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों को देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्देश्य नववर्ष पर आमजन को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित वातावरण प्रदान करना है।

एंजेल चकमा के हत्यारोपियों को मिलेगी सख्त सजा: धामी

देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को त्रिपुरा के छात्र एंजेल चकमा के पिता श्री तरुण प्रसाद चकमा से फोन पर बात कर, एंजेल की हत्या पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि, इस मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। जबकि एक अन्य आरोपी के नेपाल भागने की आशंका है, इनाम घोषित करते हुए उसे भी गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।मुख्यमंत्री ने श्री तरुण चकमा से कहा कि इस घटना पर वो व्यक्तिगत तौर पर दुखी हैं। इस स्थिति में परिवार के दुख को समझ सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार दोषियों को कड़ी सजा दिलाएगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में कभी भी इस तरह का माहौल नहीं रहा है, यहां देश- विदेश के बच्चे पढ़ने के लिए आते हैं। इसलिए यह घटना हम सबके लिए भी कष्टपूर्ण है। सरकार ऐसे मामलों में सख्ती से कार्रवाई करेगी। उन्होने कहा कि घटना के बाद त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा के साथ ही केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भी उनकी बात हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार पूरी तरह पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। परिवार की सहायता के लिए वो त्रिपुरा के मुख्यमंत्री से भी बात करेंगे, साथ ही उत्तराखंड सरकार भी परिवार की हर संभव सहायता करेगी।

जमीनी विवाद में फायरिंग करने वाला शातिर गिरफ्तार

रूद्रपुर। फाजलपुर महरोला क्षेत्र में जमीनी विवाद को लेकर हुई फायरिंग की घटना में उधमसिंहनगर पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए अभियुक्त सिमरनदीप सिंह को गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा के निर्देशानुसार पुलिस टीम ने घटना के कुछ ही घंटों में आरोपी को दबोचते हुए मामले का सफल अनावरण किया।28 दिसंबर 2025 को थाना कोतवाली रुद्रपुर क्षेत्रांतर्गत फाजलपुर महरोला में जमीनी विवाद के चलते फायरिंग की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एक घायल व्यक्ति को अस्पताल भेजा, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान कार्तिक पोतदार, निवासी विरंची, जिला पश्चिम चंपारण (बिहार) के रूप में हुई।पुलिस जांच में सामने आया कि रम्पुरा निवासी कश्मीर सिंह और बगवाड़ा निवासी सिमरनदीप सिंह के बीच उक्त भूमि को लेकर लंबे समय से विवाद चला आ रहा था। पूर्व में पुलिस ने इस संबंध में धारा 126/135 ठछै के अंतर्गत कार्रवाई की थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना कोतवाली रुद्रपुर में मुकदमा अपराध संख्या 593/2025, धाराओं 109, 190, 191(2), 191(3), 3(5) भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत पंजीकृत कर विवेचना शुरू की गई।29 दिसंबर 2025 को पुलिस टीम ने सिमरनदीप सिंह को बगवाड़ा स्थित मजार के सामने से गिरफ्तार किया। पूछताछ में अभियुक्त ने जमीनी विवाद के चलते फायरिंग की घटना स्वीकार की। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने प्रीत विहार क्षेत्र की झाड़ियों से घटना में प्रयुक्त लाइसेंसी 315 बोर शस्त्र बरामद किया।घटना स्थल पर फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलन किया। वर्तमान में क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था सामान्य बनी हुई है। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा, और मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई प्रचलित है।